हरिभूमि
सिरसा-फतेहाबाद भूमि
रोहतक, रविवार 18 जनवरी 2026

11 दो किलोमीटर से ज्यादा दूरी पर स्कूल जाने वाले 313...

11 वैश्विक स्तर पर आरोग्य की क्रांति के लिए...

खबर संक्षेप

ईडीसी से आम आदमी के घर का सपना और दूर हुआ: सैलजा

सिरसा। सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने हरियाणा सरकार द्वारा बाह्य विकास शुल्क (ईडीसी) में 10 प्रतिशत वृद्धि पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा है कि इस निर्णय से प्रदेश में मकान और प्लॉट खरीदना आम आदमी, गरीब तथा मध्यम वर्ग के लिए और अधिक कठिन हो जाएगा। उन्होंने कहा कि वर्ष 2022 तक सभी को पक्का मकान देने का जो वादा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किया गया था, मौजूदा नीतियाँ उस लक्ष्य के बिल्कुल विपरीत दिशा में जाती दिखाई दे रही हैं। कुमारी सैलजा ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में पहले कलेक्टर दर, फिर बिजली दरें, स्टाम्प शुल्क और अब ईडीसी में वृद्धि कर दी गई है। सरकार यह कहकर अपनी जिम्मेदारी से नहीं बच सकती कि ईडीसी बिल्डर देता है, क्योंकि व्यवहार में इसका पूरा भार फ्लैट और प्लॉट खरीदने वाले उपभोक्ता पर ही डाला जाता है।

शादी समारोह में फायर करने में एक पकड़ा

सिरसा। जिला के गांव दड़बा कलां में स्थित शादी समारोह के अवसर पर लाइसेंसी हथियारों से फायर कर आमजन की सुरक्षा खतरे में डालकर शांति भंग करने के मामले में संलिप्त एक अन्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।गौरतलब है की जांच के दौरान नाथूसरी चौपटा थाना पुलिस ने शादी समारोह में फायर करने की घटना में संलिप्त तीन आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर चुकी है। थाना प्रभारी ने बताया कि वारदात में शामिल एक अन्य आरोपी राजेश कुमार पुत्र रमेश कुमार निवासी गांव कागदाना को गिरफ्तार कर लिया है।

राज्य प्रदूषण नियंत्रण विभाग ने नप टीम के साथ दुकानों पर मारे छापे

सिंगल यूज प्लास्टिक पर खानापूर्ति बाजार में दुकानदार धड़ल्ले से बेच रहे

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

सिंगल यूज प्लास्टिक वस्तुओं और 75 माइक्रोन से कम मोटाई वाले प्लास्टिक कैरी बैग पर पूर्ण प्रतिबंध के बावजूद शहर में यह सामान दुकानों पर खुले तौर पर बेचा जा रहा है। नागरिक भी खुले आम इसका इस्तेमाल कर रहे है। प्रशासन समय-समय पर मात्र कुछ दुकानों पर छापेमार अ भि या न चलाकर अपनी कागजी कार्रवाई पूरी कर लेता है, इसके बाद कोई कार्रवाई नहीं की जाती है। शनिवार को भी अधिकारियों ने टोहाना में इसको लेकर दुकानदारों पर जांच की और चालान किए। शहर में पॉलिथीन बैग व सिंगल यूज प्लास्टिक विक्रेताओं के यहां छापे मारे गए। बता दें कि सरकार ने एक जुलाई 2022 से सिंगल यूज प्लास्टिक वस्तुओं और 75 माइक्रोन से कम मोटाई वाले प्लास्टिक कैरी बैग पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया था, ताकि पर्यावरण प्रदूषण कम किया जा सके। हालांकि दुकानदार उक्त प्रतिबंधित बंधित वस्तुओं की

विभाग द्वारा 55 हजार जुर्माना ठोके जाने का भी नहीं दिखा असर

दुकानों से लेकर रेहड़ी और ठेलों पर जमकर हो रहा प्रयोग

टोहाना। चालान करते हुए एसडीओ दीपक व रवि की टीम। फोटो: हरिभूमि

बोले अधिकारी

पॉलिथीन बैग और सिंगल यूज प्लास्टिक के प्रयोग करने वाले विक्रेताओं की दुकानों पर समय समय पर छापेमार कर वस्तुएं कब्जे में ली जाती है तथा जुर्माना लगाया जाता है। कुछ लोग इनकी बिक्री करते है, जो गलत है। इससे पर्यावरण को नुकसान हो रहा है वहीं प्रदूषण भी बढ़ता है। उन्होंने नागरिकों से इन वस्तुओं का इस्तेमाल न करने तथा दुकानदारों से इनकी बिक्री न करने की मांग की है।
-दीपक कुमार, एसडीओ एचएसपीसीबी।

हर रोज 4 से 5 क्विंटल पॉलिथीन का प्रयोग

शहर में हर रोज लगभग चार से पांच क्विंटल पॉलिथीन का प्रयोग होता है। पॉलिथीन दिल्ली से मंगवाया जाता है तथा सब्जी वाले से लेकर परचून वाले तक प्रयोग किया जाता है। इसके मुख्य गढ़ पुरानी सब्जी मंडी, नई सब्जी मंडी, अनाज मंडी, हंस मार्किट आदि क्षेत्रों में बिक्री की जाती है। सिंगल यूज प्लास्टिक के प्रयोग न करने बारे साल में दो तीन बार प्रशासन की तरफ से अलर्ट किया जाता है व दो या तीन बार इस तरह के अभियान चलाए जाते हैं, लेकिन भिवानी में सिंगल यूज प्लास्टिक लगातार बिक्री हो रही है।

खुले में बिक्री कर रहे है और लोग अपनी सुविधा के अनुसार इनका इस्तेमाल करते है, जबकि प्रशासन समय समय पर कुछ दुकानों से प्रतिबंधित थैलियां बरामद कर जुर्माना लगाकर अपनी विभागीय कागजी कार्रवाई को पूरा कर लेते है लेकिन कभी इनकी बिक्री पर रोक नहीं लगाई गई।

जानवरों और जमीन के लिए भी खतरनाक

प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक से बनी वस्तुओं को लोग उपयोग करने के बाद खुले में फेंक देते हैं। प्रतिबंधित प्लास्टिक कैरी बैग जगह जगह पड़े दिखाई देते है, जो पर्यावरण को नुकसान पहुंचा रही है।

दुकानदारों को एकल उपयोग वाली प्लास्टिक के बारे में जागरूक किया

टोहाना। हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण विभाग फतेहाबाद व नगर निगम की टीम ने शहर में एकल उपयोग वाली प्लास्टिक वस्तुओं पर प्रतिबंध संबंधी जानकारी दुकानदारों को दी। इस दौरान टीम द्वारा दुकानदारों के 55 हजार रुपये के चालान किए गए तथा भविष्य में दोबारा प्रयोग न करने के आदेश दिए। विभाग की यह कार्रवाई प्रदूषण नियंत्रण विभाग के एसडीओ दीपक व नगर परिषद से रवि महला के नेतृत्व में की गई। इस दौरान सभी दुकानदारों को एकल उपयोग वाली प्लास्टिक वस्तुओं के बारे में जागरूक किया गया। उन्होंने कहा कि भविष्य में एकल उपयोग वाली वस्तुओं के अनुपालन के लिए सख्त निर्देश भी दिए गए है।

यह वस्तुएं सीवर जाम का मुख्य कारण है। वहीं बरसाती पानी निकासी के नाले भी ब्लॉक हो जाते हैं। इससे दूषित पानी सडक़ पर जमा हो जाता है। सिंगल यूज प्लास्टिक का प्रयोग इंसान ही नहीं बल्कि पशु-पक्षियों व जमीन के लिए भी घातक है। शहर में हर वर्ष अनेक आवारा पशुओं की पॉलीथिन निगलने से मौत हो रही है।

टोहाना। ट्रक की टक्कर से चौक को हुआ नुकसान। फोटो: हरिभूमि

टोहाना में ट्रक की टक्कर से शहीद चौक हुआ क्षतिग्रस्त

- लोगों ने प्रशासन से जल्द दुरूस्त करवाने की उठाई मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭टोहाना

शहर के हिसार रोड स्थित शहीद चौक को देर रात एक अज्ञात ट्रक ने टक्कर मार दी। हादसे में चौक पर लगी टाइलें और ग्रिलें उखड़ गई और चौक को काफी नुकसान पहुंचा। घटना के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। शनिवार सुबह जब लोगों को घटना का पता चला तो उनमें रोष फैल गया। लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि आरोपी ट्रक चालक के खिलाफ कार्रवाई की जाए वहीं चौक की हालत को जल्द सही करवाया जाए। लोगों का कहना है कि गणतंत्र दिवस से पहले चौक को फिर से सुंदर बनाया जाना चाहिए, ताकि शहीदों की स्मृति को सम्मानपूर्वक संजोया जा सके। हिसार रोड के रहने वाले लोगों ने बताया कि सुबह सैर के दौरान उन्होंने जालियों से भरा एक बड़ा ट्रक पलटा हुआ देखा। जांच करने पर पता चला कि इसी ट्रक की टक्कर से शहीद चौक की ग्रिल और टाइलें उखड़ी हैं। लोगों ने वाहन चालकों से अपील की कि धुंध के दौरान वाहन धीमी गति से चलाएं, ताकि ऐसी दुर्घटनाओं से बचा जा सके।

बोले लोग

शहर के रहने वाले सुंदर, राजन, श्याम, मनोज, कपिल और राकेश ने बताया कि प्रशासन केवल स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस के अवसर पर ही शहीद चौक पर माला अर्पण का कार्यक्रम करता है। उसके बाद चौक की देखरेख नहीं की जाती। उन्होंने कहा कि चौक में लगी शहीद भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव की प्रतिमाओं की सफाई तक नहीं करवाई जाती, जिसके चलते चौक की हालत दयनीय बनी हुई है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से चौक की नियमित देखभाल और सफाई की व्यवस्था करने की मांग की है।

किलोमीटर स्कीम का बस ड्राइवर ब्लैकलिस्टिड

सिरसा। सिरसा में किलोमीटर स्कीम बस मामले में बस ड्राइवर को रोडवेज प्रशासन ने ब्लैकलिस्ट कर दिया है। रोडवेज प्रशासन की इस कार्रवाई के बाद अब यह ड्राइवर रोडवेज में किलोमीटर स्कीम की बस नहीं चला सकेगा। इसके अलावा रोडवेज प्रशासन ने कंपनी से भी स्पष्टीकरण मांगा गया है। अगर जवाब संतोषजनक नहीं मिला तो इसके बाद आगामी कार्रवाई की जाएगी। कंडक्टर की भूमिका पर भी सवाल है, क्योंकि कंडक्टर ने पहले ध्यान नहीं दिया और बस नहीं रोकी। उल्लेखनीय है कि बीते बुधवार को किलोमीटर स्कीम बस का ड्राइवर ऐलनाबाद जाने के बजाय सुरखाब चौक से डबवाली रोड की ओर ले गया और बस को टेढ़ी-मेढ़ी चला रहा था और न ही मेन स्टॉपेज पर बस रोकी। इस पर यात्रियों को ड्राइवर पर शराब पीने का शक हो गया और बस को रुकवा ली। कई देर हंगामा हुआ। सूचना पर रोडवेज अधिकारियों ने दूसरे ड्राइवर को भेजा और बस को ऐलनाबाद भिजवाया गया।

जीवन में अपनाएं ये मंत्र, नहीं होगी आर्थिक परेशानी

अगर आप भी हमेशा अमीर बने रहना चाहते हैं तो पर्सनल फाइनेंस के कुछ मंत्र याद रखें और उन्हें अपने जीवन में अपनाएं। इससे आपको कभी भी पैसे की कमी नहीं होगी। इस रिपोर्ट में हम आपको ऐसे की कुछ मंत्र बताने वाले हैं जो आपके काफी काम के होंगे। इन्हें अपनाकर आप अपने फाइनेंस को काफी अच्छे से मैनेज कर सकते हैं और बचत भी कर सकते हैं। आजकल लोगों के लिए पैसा कमाने से भी ज्यादा मुश्किल उसे संभालना हो गया है। ज्यादातर लोगों की सैलरी आते ही खर्च हो जाती है और महीने के आखिरी में उनकी जेब खाली हो जाती है। इसी के साथ-साथ न ही वह कोई बचत कर पाते हैं, क्योंकि महीने के आखिरी तक कुछ बचता ही नहीं। ऐसे में पर्सनल फाइनेंस के पांच नियमों को अपना लें। इससे आप अपने फाइनेंस को काफी अच्छे से मैनेज कर सकेंगे और बचत भी कर पाएंगे।

50–30–20 नियम अपनाएं

50–30–20 नियम में 50 का मतलब है कि आपको अपनी सैलरी का 50 प्रतिशत हिस्सा केवल जरूरी खर्चों में खर्च करना है। इसमें घर का किराया, राशन, बिल और अन्य जरूरी खर्चों को शामिल करें। सैलरी का 30% हिस्सा अपने लिए रखें और अपनी जरूरत और अपने इच्छाओं के अनुसार खर्च करें। सैलरी का 20 प्रतिशत हिस्से की बचत करें और निवेश करें।

इमरजेंसी फंड बनाएं

अपने लिए एक इमरजेंसी फंड जरूर बनाएं, जो मुश्किल समय में काम आ सकें। इमरजेंसी फंड 3 से 6 माह के जरूरी खर्च के बराबर जरूर होना चाहिए. यह फंड नौकरी जाने, मेडिकल इमरजेंसी और अचानक आय रुकने की स्थिति में काम आता है। इमरजेंसी फंड आपको वित्तीय सुरक्षा प्रदान करता है, जिससे आप अपने लक्ष्यों को पूरा कर सकते हैं। इमरजेंसी फंड आपको तनाव से मुक्ति दिलाता है, जिससे आप जीवन को और भी बेहतर बना सकते हैं। इमरजेंसी फंड आपको बचत करने में मदद करता है, जिससे आप भविष्य के लिए तैयार रह सकते हैं।

ईएमआई इनकम के 40% तक रखें

ईएमआई (इक्वेटेड मंथली इंस्टॉलमेंट) इनकम के 40 प्रतिशत तक रखना एक अच्छा नियम है। इससे आपको अपने वित्तीय लक्ष्यों को पूरा करने और अपने जीवन को तनाव मुक्त रखने में मदद मिलती है। ईएमआई के 40% तक रखने से आपको वित्तीय सुरक्षा मिलती है, जिससे आप अपने लक्ष्यों को पूरा कर सकते हैं। आपको तनाव से मुक्ति मिलती है, जिससे आप अपने जीवन को और भी बेहतर बना सकते हैं। आपको बचत करने में मदद मिलती है, जिससे अपने भविष्य के लिए तैयार रह सकते हैं।

इंश्योरेंस जरूर लें

केवल निवेश ही नहीं बल्कि इंश्योरेंस को भी प्राथमिकता दें। ऐसे में खुद को और अपने परिवार की सुरक्षा के लिए हेल्थ और टर्म लाइफ इंश्योरेंस जरूर लें। इसके कुछ फायदें हैं जैसे। इंश्योरेंस आपको और आपके परिवार को वित्तीय सुरक्षा प्रदान करता है, जिससे आप अपने लक्ष्यों को पूरा कर सकते हैं। इंश्योरेंस आपको तनाव से मुक्ति दिलाता है, जिससे आप अपने जीवन को और भी बेहतर बना सकते हैं। इंश्योरेंस आपको बचत करने में मदद करता है, जिससे आप अपने भविष्य के लिए तैयार रह सकते हैं।

इक्विटी में निवेश करें

अगर आप लंबे समय के लिए निवेश करना चाहते हैं तो थोड़ा पैसा इक्विटी जैसे म्यूचुअल फंड में निवेश जरूर करें। इक्विटी में निवेश करना एक अच्छा विकल्प हो सकता है, लेकिन इसमें जोखिम भी होता है। इक्विटी में निवेश करने से पहले आपको अपने वित्तीय लक्ष्यों, जोखिम उठाने की क्षमता और निवेश के समय को ध्यान में रखना चाहिए।

बाजार में उतार-चढ़ाव के दौरान इनमें निवेश करना फायदेमंद

बेस्ट एग्रीसिव हाइब्रिड फंड दिला सकते हैं बेहतर रिटर्न

- इन फंडों में पैसे लगाकर अच्छा मुनाफा कमाने का मौका
- निवेश करने से पहले संयम बरतें और अपने गोल तय करें

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

शेयर बाजार की अनिश्चितताओं से परेशान निवेशकों के लिए एग्रीसिव हाइब्रिड म्यूचुअल फंड एक बेहतर ऑप्शन हो सकते हैं। ये फंड इक्विटी और डेट दोनों में निवेश कर बाजार की अस्थिरता का असर कम करते हैं, जिससे लंबी अवधि में स्थिर रिटर्न मिलने की उम्मीद है। इसलिए आप भी इन फंडों में पैसे लगाकर अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं, लेकिन यह भी ध्यान रखना जरूरी है कि निवेश से पहले संयम बरतें और अपने गोल तय कर लें। इसके बाद ही निवेया का फैसला लें, वरना कई बार परेशानी भी झेलनी पड़ सकती है। विशेषज्ञों के अनुसार, आने वाले साल में बाजार सतर्क रह सकता है, ऐसे में हाइब्रिड फंड निवेशकों को स्थिर रिटर्न देने में मदद कर सकते हैं।

एग्रीसिव हाइब्रिड फंड क्या हैं

एग्रीसिव हाइब्रिड म्यूचुअल फंड ऐसे फंड होते हैं, जो इक्विटी (शेयर बाजार) और डेट (बॉन्ड, सरकारी प्रतिभूतियां, मनी मार्केट इंस्ट्रूमेंट) दोनों में निवेश करते हैं। इन फंड्स की खासियत यह है कि इनमें 65% से 80% तक का निवेश इक्विटी में किया जाता है, जबकि शेष 20% से 35% तक डेट इंस्ट्रूमेंट्स में लगाया जाता है। इक्विटी में ज्यादा निवेश होने की वजह से इन्हें इक्विटी फंड की तरह टैक्स बेनिफिट मिलता है, वहीं डेट का हिस्सा बाजार की अस्थिरता के दौरान पोर्टफोलियो को कुछ हद तक सुरक्षा प्रदान करता है। इसका फायदा यह है कि जब शेयर बाजार में गिरावट आती है, तो डेट निवेश से नुकसान कम होता है। ऐसे फंड कंसर्वेटिव इक्विटी निवेशकों के लिए खास होते हैं, जो जोखिम लेने को तैयार हैं, लेकिन अत्यधिक उतार-चढ़ाव नहीं सह सकते। इससे लंबी अवधि में निवेशकों को धैर्यपूर्वक धन बढ़ाने का मौका मिलता है।

शेयर बाजार की अनिश्चितताओं से परेशान निवेशकों के लिए बेहतर ऑप्शन

लाभ और टैक्स की सुविधा

इन फंडों का एक बड़ा फायदा है नियमित प्रॉफिट बुकिंग। जब बाजार में इक्विटी का हिस्सा तय सीमा से ज्यादा बढ़ जाता है, तो फंड मैनेजर स्टॉक्स बेचकर असाइनमेंट बनाए रखते हैं। यह लंबी अवधि में रिटर्न बढ़ाने में मदद करता है। व्यक्तिगत निवेशक अगर ऐसा करते हैं, तो 1 लाख रुपये से ज्यादा के लाभ पर टैक्स देना पड़ता है, जबकि म्यूचुअल फंड के निवेशकों को इस पर टैक्स की सुविधा मिलती है। हालांकि, नियमित डिविडेंड की उम्मीद से इन फंडों में निवेश करना उचित नहीं है।

बेस्ट एग्रीसिव हाइब्रिड फंड कौन से हैं

पिछले कुछ वर्षों के प्रदर्शन, फंड मैनेजमेंट और रिस्क-एडजस्टेड रिटर्न के आधार पर भारत में कई एग्रीसिव हाइब्रिड फंड निवेशकों के बीच पसंद किए जा रहे हैं। ये फंड निवेशकों को अच्छा मुना देने की क्षमता रखते हैं। इनमें निवेश करना भी ठीक रहता है। इनमें प्रमुख हैं।

- आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल इक्विटी और डेट फंड
- एसबीआई इक्विटी हाइब्रिड फंड
- कोटक इक्विटी हाइब्रिड फंड
- एचडीएफसी हाइब्रिड इक्विटी फंड
- यूटीआई एग्रेसिव हाइब्रिड फंड
- क्वांट एग्रेसिव हाइब्रिड फंड
- कनारा रोबेको इक्विटी हाइब्रिड फंड
- मिराए एसेट एग्रेसिव हाइब्रिड फंड

इनमें निवेश करना फायदेमंद

अगर निवेशक शुद्ध इक्विटी फंड के उच्च जोखिम से बचना चाहते हैं, लेकिन फिक्स्ड डिपॉजिट या डेट फंड जैसे कम रिटर्न से संतुष्ट नहीं हैं, तो एग्रीसिव हाइब्रिड फंड संतुलित विकल्प हैं।

इन फंड्स का उद्देश्य

- इक्विटी से ग्रोथ का लाभ मिले
- डेट से स्थिरता और सुरक्षा बनी रहे
- लंबी अवधि (5 से 7 साल या उससे अधिक) में इन फंड्स ने औसतन 10–14% तक का वार्षिक रिटर्न देने की क्षमता दिखाई है, हालांकि रिटर्न बाजार स्थितियों पर निर्भर करता है।
- जब बाजार में ज्यादा उतार-चढ़ाव होता है, तब पूरी रकम इक्विटी में निवेश करना कई निवेशकों को असहज कर सकता है। ऐसे समय में एग्रीसिव हाइब्रिड फंड का डेट हिस्सा वोलैटिलिटी को कुछ हद तक कम करने में मदद करता है।

यह भी रखें ध्यान

- ये फंड पूरी तरह सुरक्षित नहीं होते
- बाजार में तेज गिरावट आने पर इनमें भी अस्थायी नुकसान हो सकता है
- शुद्ध इक्विटी फंड की तुलना में इनकी गिरावट अक्सर थोड़ी कम देखी जाती है। इसलिए जिन निवेशकों को बाजार की चाल समझने में दिक्कत होती है या जो भावनात्मक फैसले लेने से बचना चाहते हैं, उनके लिए ये फंड उपयोगी हो सकते हैं।

ऐसे में निवेशकों को क्या करना चाहिए?

- वर्तमान बाजार परिस्थितियों में निवेशकों को घबराकर फैसले लेने से बचना चाहिए। एक्सपर्ट्स की मानें तो:
- निवेश का लक्ष्य और समयावधि स्पष्ट रखें
- एसआईपी के जरिए निवेश करें, ताकि बाजार के उतार-चढ़ाव का औसत लाभ मिल सके
- एकमुश्त निवेश करने से पहले बाजार वैल्यूएशन पर ध्यान दें
- पोर्टफोलियो में विविधता बनाए रखें
- अगर कोई निवेशक पहली बार म्यूचुअल फंड में कदम रख रहा है या मध्यम जोखिम के साथ बेहतर रिटर्न चाहता है, तो एग्रीसिव हाइब्रिड फंड एक अच्छी शुरुआत हो सकते हैं।

क्यों एग्रीसिव हाइब्रिड म्यूचुअल फंड एक बेहतर ऑप्शन

एग्रीसिव हाइब्रिड फंड की सबसे बड़ी ताकत उनका बैलेंस्ड अप्रोच है। ये फंड फंड मैनेजर को यह लचीलापन देते हैं कि वे बाजार की स्थिति के अनुसार इक्विटी और डेट का अनुपात थोड़ा बहुत बदल सकें।

लंबी अवधि में स्थिर रिटर्न की उम्मीद

इतिहास गवाह है कि लंबी अवधि में बाजार ने हमेशा धैर्य रखने वाले निवेशकों को बेहतर रिटर्न दिया है। एग्रीसिव हाइब्रिड फंड इसी सिद्धांत पर काम करते हैं। ये न तो बहुत ज्यादा आक्रामक होते हैं और न ही बहुत ज्यादा रक्षात्मक। सही फंड का चयन, नियमित निवेश और लंबी अवधि तक बने रहना। ये तीन बातें मिलकर एग्रीसिव हाइब्रिड फंड को एक भरोसेमंद निवेश विकल्प बनाती हैं।

छोटे-छोटे निवेश से भी किए जा सकते हैं बड़े सपने पूरे

आज के समय में हर व्यक्ति चाहता है कि उसकी वित्तीय योजना मजबूत और सुरक्षित हो, लेकिन सवाल यह है कि लंबी अवधि के लक्ष्यों जैसे बच्चों की पढ़ाई, घर खरीदना या रिटायरमेंट के लिए सही निवेश कैसे चुना जाए? इसी का जवाब है। एसआईपी-एसडब्ल्यूपी, जो म्यूचुअल फंड निवेश को आसान और अनुशासित बनाते हैं।

एसआईपी : छोटी बचत से बड़ा निवेश

एसआईपी का सबसे बड़ा फायदा यह है कि आप छोटी-छोटी रकम से निवेश शुरू कर सकते हैं। हर महीने तय राशि निवेश करने से धीरे-धीरे बड़ा फंड तैयार हो जाता है। यह तरीका निवेशक को अनुशासन सिखाता है और बाजार के उतार-चढ़ाव से बचाता है। एसआईपी में चक्रवृद्धि का फायदा मिलता है, यानी समय के साथ आपका पैसा ब्याज पर ब्याज कमाता है और तेजी से बढ़ता है।

एसडब्ल्यूपी: नियमित आय का साधन

दूसरी ओर, एसडब्ल्यूपी उन निवेशकों के लिए है जो अपने निवेश से नियमित आय चाहते हैं। इसमें निवेशक अपने म्यूचुअल फंड से हर महीने या तिमाही तय राशि निकाल सकते हैं। यह तरीका

खासकर रिटायर लोगों के लिए उपयोगी है, क्योंकि उन्हें पेंशन जैसी स्थिर आय मिलती रहती है। एसडब्ल्यूपी से निवेशक का मूल निवेश सुरक्षित रहता है और जरूरत के मुताबिक पैसा मिलता रहता है।

विशेषज्ञों की राय

फाइनेंशियल एडवाइजर्स का मानना है कि एसआईपी और एसडब्ल्यूपी दोनों मिलकर निवेशक को संतुलित वित्तीय योजना बनाने में मदद करते हैं। एसआईपी से लंबी अवधि के लक्ष्यों के लिए फंड तैयार होता है, जबकि एसडब्ल्यूपी से जरूरत पड़ने पर नियमित आय मिलती है। यह संयोजन निवेशक को बाजार की अस्थिरता से बचाता है और अनुशासन बनाए रखता है।

किसके लिए बेहतर?

- **युवा निवेशक:** जो लंबी अवधि के लिए बचत करना चाहते हैं, उनके लिए एसआईपी सबसे अच्छा विकल्प है।
- **रिटायर लोग:** जिन्हें हर महीने खर्च के लिए आय चाहिए, उनके लिए एसडब्ल्यूपी आदर्श है।
- **मध्यम आय वर्ग:** एसआईपी से धीरे-धीरे फंड तैयार कर सकते हैं और बाद में एसडब्ल्यूपी से उसका लाभ उठा सकते हैं।
- एसआईपी और SWP सिर्फ निवेश के तरीके नहीं हैं, बल्कि वित्तीय अनुशासन और सुरक्षा का आधार हैं। एसआईपी से आप भविष्य के बड़े लक्ष्यों को पूरा कर सकते हैं, जबकि एसडब्ल्यूपी से वर्तमान की जरूरतें पूरी होती हैं। सही योजना और समय पर निवेश से ये दोनों तरीके मिलकर आपकी वित्तीय जिंदगी को स्थिर और सुरक्षित बना सकते हैं।

प्रोसेसिंग फीस, ईएमआई में देरी पर लगने वाला जुर्माना, रेट कन्वर्जन या रीसेट चार्जेज और बंडल इंश्योरेंस जैसे अनिवार्य ऐड-ऑन पर ध्यान दें

लोन लेने जा रहे हैं तो रहें अलर्ट, हिडन चार्ज कर सकते हैं जेब खाली

तैयारी
बिजनेस डेस्क

अगर आप भी लोन लेकर अपना आशियाना खरीदने का प्लान बना रहे हैं, तो सावधान रहें, वरना कुछ हिडन चार्ज आपकी जेब ढीली का सकते हैं। इसलिए कुछ बातों को जानना जरूरी है। दरअसल, लोन लेने के दौरान बैंक कई तरह के चार्ज लगाती हैं। लोन लेने के बाद काफी लोग कम ब्याज दर के कारण लोन ट्रांसफर भी कराते हैं। ऐसे में उन्हें कई तरह के चार्ज चुकाने पड़ते हैं। इससे लोन चुकाने में ज्यादा रकम खर्च होती है। इनमें से कुछ चार्ज को कम कर पैसा बचाया जा सकता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक लोन लेने के दौरान प्रोसेसिंग फीस, ईएमआई में देरी पर लगने वाला जुर्माना, रेट कन्वर्जन या रीसेट चार्जेज और बंडल इंश्योरेंस जैसे अनिवार्य ऐड-ऑन आपके लोन की कुल लागत को काफी बढ़ा सकते हैं। प्रीपेमेंट और फोरक्लोजर के क्लॉज पर खास ध्यान देना चाहिए, खासकर जब उन पर कोई शुल्क लगता हो। इस रिपोर्ट में हम आपको बताने जा रहे हैं ऐसे ही कुछ जो आपको परेशान कर सकते हैं।

प्रोसेसिंग चार्ज

हर होम लोन की शुरुआत प्रोसेसिंग फीस, कानूनी और प्रशासनिक खर्चों से होती है। ये वो शुल्क हैं जो बैंक आपके आवेदन का मूल्यांकन करने, डॉक्यूमेंट्स की जांच करने और क्रेडिट चेक करने के लिए लेते हैं। ये शुल्क 5000 से 15000 रुपये तक हो सकते हैं। एक्सपर्ट के मुताबिक होम लोन लेते समय बैंक से इन चार्ज के बारे में मोलभाव करना चाहिए। काफी बैंक इन चार्ज को कम कर देते हैं।

प्रीपेमेंट पेनल्टी

प्रीपेमेंट और फोरक्लोजर क्लॉज तब काम आते हैं जब आप अपना लोन आंशिक रूप से या पूरी तरह से जल्दी चुकाना चाहते हैं। आरबीआई के नियमानुसार फ्लोटिंग रेट (बदलते ब्याज दर वाले) होम लोन पर कोई प्रीपेमेंट शुल्क नहीं लग सकता है। हालांकि फिक्स्ड इंटरेस्ट रेट और हाइब्रिड इंटरेस्ट रेट होम लोन पर आमतौर पर बकाया मूल राशि का 4% तक का जुर्माना लग सकता है। बेसिक होम लोन के सीईओ और को-फाउंडर अतुल मोंगा के अनुसार, जब कोई उधारकर्ता आंशिक प्रीपेमेंट करता है तो बैंक आमतौर पर लोन की अवधि कम कर देते हैं और ईएमआई वैसे ही रखते हैं। इससे लंबे समय में ब्याज की काफी बचत होती है।

ब्याज दर बदलने पर चार्ज

बाजार की स्थितियां बदलती रहती हैं। हो सकता है कि आप अपने लोन की अवधि के दौरान फ्लोटिंग से फिक्स्ड रेट या फिक्स्ड रेट से फ्लोटिंग रेट पर स्विच करना चाहें। बैंक इसके लिए कन्वर्जन की सुविधा देते हैं, लेकिन इसकी एक कीमत चुकानी पड़ती है। मोंगा के अनुसार, कन्वर्जन फीस आमतौर पर आपकी बकाया लोन राशि का 0.25% से 0.5% तक होती है। 40 लाख रुपये की बकाया

इनमें से कुछ चार्ज को कम कर बचाया जा सकता है पैसा

राशि पर यह 10,000 रुपये से 20,000 रुपये के बीच हो सकता है। कन्वर्जन विकल्प का उपयोग करने से पहले, यह गणना करें कि क्या ब्याज दर का अंतर कन्वर्जन शुल्क को सही ठहराता है। कभी-कभी अपनी मौजूदा दर पर बने रहना अधिक किफायती होता है।

बैलेंस ट्रांसफर की लागत

अपने होम लोन के कुछ साल बाद आपको कम ब्याज दरों पर बैलेंस ट्रांसफर (लोन को एक बैंक से दूसरे बैंक में ले जाना) के ऑफर मिल सकते हैं। हालांकि, ब्याज दर बदलने की तरह ऐसे अवसर को तुरंत लपक लेना हमेशा एक अच्छा ऑप्शन नहीं हो सकता है। कम ब्याज दर के अलावा, नए ऋणदाता के पास भी वही शुरुआती शुल्क हो सकते हैं जैसे प्रोसेसिंग फीस, कानूनी और मूल्यांकन शुल्क, एमओडीटी शुल्क आदि। अगर आपका पुराना लोन हाइब्रिड या फिक्स्ड रेट पर था, तो उस पर फोरक्लोजर पेनल्टी भी लग सकती है। शेट्टी कहते हैं कि बैलेंस ट्रांसफर तभी फायदेमंद होता है जब ब्याज दर का अंतर काफी ज्यादा हो।

लेट पेमेंट पर लगने वाला चार्ज

कई बार होम लोन की ईएमआई लेट हो सकती है। यह कई कारणों से हो सकती है, जैसे सैलरी का देरी से मिलना, कोई मेडिकल इमरजेंसी आदि। ऐसे में लेट पेमेंट के नाम पर बैंक भारी चार्ज लगाते हैं। यह बकाया ईएमआई का 3 फीसदी तक या इससे ज्यादा भी हो सकता है। मोंगा बताते हैं कि अधिकांश बैंक जुर्माना लगाने से पहले ड्यू डेट के बाद 5 से 10 दिनों का अतिरिक्त ग्रेस पीरियड (छूट अवधि) देते हैं। ऐसे में बेहतर होगा कि अपने अकाउंट में पर्याप्त पैसा रखें ताकि ईएमआई बाउंस न हो।

जबरन बीमा बेचना

इंश्योरेंस एक और ऐसा सेक्टर है जहां उधारकर्ता अक्सर अनजाने में पैसा गंवा देते हैं। दो तरह के इंश्योरेंस दिए जाते हैं। पहला प्रॉपर्टी इंश्योरेंस। होम लोन के दौरान आपकी प्रॉपर्टी बैंक में गिरवी रखी संपत्ति होती है। बैंक को यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता होती है कि यह आग, प्राकृतिक आपदाओं और अन्य नुकसानों से सुरक्षित है। दूसरा इंश्योरेंस लोन प्रोटेक्शन है। यह एक टर्म इंश्योरेंस पॉलिसी है जो होम लोन लेने वाले की मृत्यु होने पर लोन का बकाया पेमेंट करती है। लोन प्रोटेक्शन इंश्योरेंस वैकल्पिक है। विवाद तब पैदा होते हैं जब बैंक स्पष्ट सहमति के बिना सिंगल-प्रीमियम इंश्योरेंस को लोन में बंडल कर देते हैं। उधारकर्ता अपनी पसंद के बीमाकर्ता को चुनने या अलग टर्म प्लान लेने के लिए स्वतंत्र हैं, बशर्ते वे बैंक की आवश्यकताओं को पूरा करते हों।

सीईआरएसएआई चार्जेज

सीईआरएसएआई (सेंट्रल रजिस्ट्री ऑफ सिक्योरिटाइजेशन एसेट रिकंस्ट्रक्शन एंड सिक्योरिटी इंटरेस्ट ऑफ इंडिया) एक ऐसा शुल्क है जो आमतौर पर पहली बार होम लोन लेने वाले को भ्रमित करता है। शेट्टी बताते हैं कि सीईआरएसएआई चार्जेज एक ही प्रॉपर्टी पर कई लोन को रोकने के लिए एक केंद्रीय डेटाबेस में मॉर्गेज के रजिस्ट्रेशन को कवर करते हैं। ये शुल्क 100 (जीएसटी के अतिरिक्त) तक हो सकते हैं।

लोन भी गुड और बैड कुछ होते हैं दौलत के दोस्त और कई जेब के 'दुश्मन'

आसानी से मिल जाने वाले लोन का पैसा राहत के साथ दे सकता है बड़ी परेशानी

अलर्ट
बिजनेस डेस्क

आज के दौर में लोन लेना पहले से कहीं ज्यादा आसान हो गया है। बैंक हों या मोबाइल एप, कुछ ही समय में आसानी से लोन मिल जाता है। अब जरूरत पड़ते ही लोग बिना ज्यादा सोचे-समझे लोन ले लेते हैं, लेकिन यहीं से कई बार फाइनेंशियल परेशानी शुरू हो जाती है, क्योंकि हर लोन आपके फायदे के लिए नहीं होता। असल में लोन दो तरह के होते हैं गुड लोन और बैड लोन और दोनों में फर्क समझना आम लोगों के लिए बेहद जरूरी है। डिजिटल दौर में इंस्टेंट लोन ऐप्स ने लोगों को जल्दी पैसा तो दिया, लेकिन साथ में हाई इंटरेस्ट, छिपे चार्ज और मानसिक तनाव भी दिया है। कई लोग छोटी जरूरतों के लिए ऐसे ऐप्स से लोन लेते हैं और बाद में ईएमआई के बोझ में फंस जाते हैं। यही वजह है कि लोन लेने से पहले यह समझना जरूरी है कि आप किस तरह का कर्ज ले रहे हैं।

सोच समझकर ही कदम उठाना होगा फायदेमंद, वरना आप रहेंगे घाटे में
अब जरूरत पड़ते ही लोग बिना ज्यादा सोचे-समझे ले लेते हैं लोन

क्या होता है गुड लोन

गुड लोन वह होता है जो आपकी जिंदगी को बेहतर बनाने में मदद करें। ऐसा लोन जो भविष्य में आपकी आमदनी बढ़ाए, संपत्ति बनाए या करियर को मजबूत करे, उसे अच्छा कर्ज माना जाता है। इसमें ब्याज दर आमतौर पर कम होती है और समय के साथ इसका फायदा नजर आता है। मान लीजिए आपने पढ़ाई के लिए एजुकेशन लोन लिया और आगे चलकर उसी पढ़ाई से आपकी कमाई बढ़ती है। इसी तरह बिजनेस लोन से व्यापार बढ़ता है या होम लोन से आपकी खुद की संपत्ति बनती है। ऐसे लोन लंबे समय में आपकी नेटवर्थ बढ़ाने का काम करते हैं, इसलिए इन्हें गुड लोन कहा जाता है।

गुड लोन की खास पहचान

गुड लोन में रिटर्न की संभावना ब्याज से ज्यादा होती है। ईएमआई आपकी कमाई के हिसाब से मैनेज हो जाती है और लोन का इस्तेमाल किसी प्रोडक्टिव काम में होता है। यह आपकी फाइनेंशियल ग्रोथ का हिस्सा बनता है, बोझ नहीं।

बैड लोन क्या होता है

बैड लोन वह होता है जो सिर्फ खर्च बढ़ाता है, आमदनी नहीं। इस तरह के लोन में ब्याज दर काफी ज्यादा होती है और कई बार अतिरिक्त चार्ज भी जुड़ जाते हैं। अगर समय पर भुगतान न हो, तो क्रेडिट स्कोर बिगड़ जाता है और आगे लोन मिलना मुश्किल हो जाता है। पर्सनल लोन, क्रेडिट कार्ड बकाया, इंस्टेंट लोन ऐप्स से लिया गया कर्ज या गैर-जरूरी चीजों के लिए लिया गया लोन अक्सर इसी कैटेगरी में आता है। इनसे न तो कोई एसेट बनता है और न ही भविष्य में कोई फायदेमंद रिटर्न मिलता है।

बैड लोन क्यों बन जाता है परेशानी

बैड लोन की ईएमआई जेब पर भारी पड़ती है। कई लोग एक लोन चुकाने के लिए दूसरा लोन लेते हैं और धीरे-धीरे कर्ज के जाल में फंस जाते हैं। तनाव बढ़ता है, सेविंग खत्म हो जाती है और आर्थिक आजादी खतरे में पड़ जाती है।

दोनों में क्या है अंतर

आधार	: लोन लेने का मकसद
गुड लोन	: भविष्य को मजबूत बनाना
बैड लोन	: सिर्फ मौजूदा खर्च पूरा करना
आधार	: पैसे का असर
गुड लोन	: दौलत और कमाई बढ़ाता है
बैड लोन	: जेब पर बोझ बढ़ाता है
आधार	: ब्याज दर
गुड लोन	: अपेक्षाकृत कम
बैड लोन	: काफी ज्यादा
आधार	: लंबे समय का फायदा
गुड लोन	: फायदा देता है नहीं
बैड लोन	: नुकसान बढ़ाता है
आधार	: कमाई
गुड लोन	: बढ़ाने में मदद करता है
बैड लोन	: नहीं करता
आधार	: जोखिम का स्तर
गुड लोन	: कम जोखिम
बैड लोन	: ज्यादा जोखिम
आधार	: उदाहरण
गुड लोन	: होम लोन, एजुकेशन लोन, बिजनेस लोन
बैड लोन	: पर्सनल लोन, क्रेडिट कार्ड लोन, इंस्टेंट ऐप लोन
आधार	: मानसिक असर
गुड लोन	: सुरक्षा और स्थिरता
बैड लोन	: तनाव और दबाव
आधार	: भविष्य की प्लानिंग
गुड लोन	: आसान बनती है
बैड लोन	: मुश्किलें बढ़ाती है

कितना लोन लेना है सही

लोन लेते समय अपनी आय और खर्च का सही हिसाब लगाना जरूरी है। इसके लिए डेट-टू-इनकम रेश्यो देखा जाता है। यानी आपकी कुल मासिक ईएमआई, आपकी मासिक कमाई के 40 फीसदी से ज्यादा नहीं होनी चाहिए। अगर यह 30 फीसदी से नीचे है, तो और भी बेहतर माना जाता है।

लोन से पहले बचत को दें प्राथमिकता

हर छोटी जरूरत के लिए लोन लेना समझदारी नहीं है। बेहतर है कि पहले बचत की आदत डालें। छोटी प्लानिंग, एसआईपी या इमरजेंसी फंड बनाकर कई खर्च बिना कर्ज के पूरे किए जा सकते हैं। लोन तभी लें, जब वह सच में आपकी जिंदगी को आगे बढ़ाने वाला हो।

समझदारी ही असली सुरक्षा

लोन अपने आप में न अच्छा है, न बुरा। फर्क इस बात से पड़ता है कि आप उसे किस मकसद से ले रहे हैं। सही जानकारी और सोच-समझकर लिया गया कर्ज आपकी तरक्की का रास्ता खोल सकता है, जबकि जल्दबाजी में लिया गया लोन आपकी जेब का सबसे बड़ा दुश्मन बन सकता है।

खबर संक्षेप

सात दिवसीय संगीतमय कथा 20 जनवरी से शुरू

ओढां। बाबा रामदेव मंदिर ओढ़ा में सात दिवसीय संगीतमय कथा का आयोजन किया जा रहा है। जो बाबा रामदेव सेवा समिति व गांववासियों के सहयोग से 20 जनवरी से शुरू होकर 27 जनवरी तक की जाएगी। बाबा रामदेव सेवा समिति के प्रवक्ता भूषण कुमार गोयल ने बताया कि 20 जनवरी से मंदिर में श्री रामदेव जी की अमृत कथा शुरू होकर 27 जनवरी तक सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक चलेगी। जिसमें कथा व्यास शास्त्री कृष्ण नंद जी महाराज सिरसा वाले बाबा रामदेव जी का गुणगान करेंगे और कथा में भजन गायक कलाकार पी के परवाना उनके साथ संगीतमय भजन कीर्तन करेंगे।

स्काउंटिंग गतिविधियां शुरू करने की मांग

सिरसा। चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय में विश्वविद्यालय व संबद्ध महाविद्यालयों में स्काउटिंग गतिविधियां प्रारंभ करने के लिए कुलपति प्रो. विजय कुमार के साथ बैठक हुई। बैठक के दौरान लालबहादुर शास्त्री ओपन ग्रुप के कार्यकारी अध्यक्ष सुनीत सरदाना ने कुलपति को स्काउट स्कार्फ पहनाकर उन्हें सम्मानित किया गया। बैठक में जिला सचिव सुखदेव ढिल्लों भी मौजूद थे, जिन्होंने स्काउटिंग से संबंधित अपने अनुभव एवं विचार सांझा किए। कुलपति ने भविष्य में विश्वविद्यालय एवं उससे संबद्ध महाविद्यालयों में स्काउटिंग गतिविधियां प्रारंभ करने के लिए सकारात्मक पहल करने का आश्वासन दिया।

रेणू की स्मृति में श्रद्धांजलि सभा 23 को

सिरसा। पंजाबी कवि हरिभजन सिंह रेणू के पुत्र एवं साहित्यिक सामाजिक सरोकारों को समर्पित सुरजीत सिंह रेणू की स्मृति में आगामी 23 जनवरी को 11.30 बजे श्री युवक साहित्य सदन, सिरसा में श्रद्धांजलि सभा होगी। उल्लेखनीय है कि सुरजीत सिंह रेणू का गत 14 जनवरी को हृदय गति रुकने से असामयिक निधन हो गया था। पंजाबी लेखक सभा, सिरसा के अध्यक्ष परमानंद शास्त्री, सचिव सुरजीत सिंह सिरड़ी, वित्त सचिव अनीश कुमार, प्रगतिशील लेखक संघ, सिरसा के अध्यक्ष डॉ. गुरप्रीत सिंह सिंधरा एवं सचिव डॉ. शेर चंद ने उनके निधन पर शोक व्यक्त किया है।

रतिया में हेरोइन के साथ युवक को किया काबू

फतेहाबाद। नशा तस्करो की धरपकड़ करते हुए रतिया पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए युवक की पहचान प्रवीन कुमार पुत्र सनील कुमार निवासी ऑटो मार्किट, मण्डी आदमपुर, हाल हरिपुरा रोड, नजदीक ठेका दरियापुर, जिला फतेहाबाद के रूप में हुई है। थाना शहर रतिया प्रभारी महिला निरीक्षक पुष्पा ने बताया कि सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने सहनाल रोड रतिया स्थित राईस मील के पास गश्त के दौरान आरोपी को मोटरसाइकिल सहित काबू किया गया। तलाशी के दौरान उसकी जेब से पारदर्शी मौमी पाउच में 15.22 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। इस पर पुलिस ने युवक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है।

नशीली गोलियों सहित एक युवक को दबोचा

फतेहाबाद। मेडिकल नशा बेचने वालों की धरपकड़ करते हुए एएनसी सेल फतेहाबाद ने कॉमर्शियल मात्रा में नशीली गोलियों सहित एक युवक को काबू किया है। एएनसी सेल फतेहाबाद प्रभारी निरीक्षक यादवेंद्र ने बताया कि सूचना पर टीम ने नहर पटरी, वार्ड नंबर 14 रामनगर कॉलोनी रतिया के पास कार्रवाई करते हुए एक युवक को काबू किया। आरोपी की पहचान हरजोत सिंह उर्फ ज्योति निवासी वार्ड नंबर 14 रामनगर कॉलोनी, रतिया, जिला फतेहाबाद के रूप में हुई। तलाशी के दौरान आरोपी के कब्जे से 70 गोलियां बरामद हुई, जो एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत कॉमर्शियल मात्रा में आती हैं। इस संबंध में थाना शहर रतिया में मामला दर्ज किया गया है।

शिक्षा विभाग ने नि:शुल्क साइकिल योजना के लिए जारी किया 9 लाख का बजट

दो किलोमीटर से ज्यादा दूरी पर स्कूल जाने वाले 313 विद्यार्थियों को मिलेंगी साइकिलें

- कक्षा छठी में अध्ययनरत अनुसूचित जाति के पात्र विद्यार्थियों को नि:शुल्क साइकिल उपलब्ध कराई जाएगी

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों को शिक्षा से जोडऩे और स्कूल छोडऩे की प्रवृत्ति पर रोक लगाने के उद्देश्य से वर्ष 2025-26 के लिए निःशुल्क साइकिल योजना को प्रभावी ढंग से लागू किया जा रहा है। इस योजना के तहत कक्षा छठी में अध्ययनरत अनुसूचित जाति के पात्र विद्यार्थियों को निःशुल्क साइकिल उपलब्ध कराई जाएगी।

जिला फतेहाबाद में 19 जनवरी को राजकीय प्राथमिक पाठशाला ठाकर बस्ती में साइकिल मेला का आयोजन किया जा रहा है। इसको लेकर जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय की ओर से सभी खंडों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं। जारी आदेशों के अनुसार यह योजना विशेष रूप से उन विद्यार्थियों के लिए है, जिनके गांव में मिडिल स्कूल उपलब्ध नहीं है अथवा जिनके गांव से मिडिल या हाई स्कूल की दूरी दो किलोमीटर या उससे अधिक है। ऐसे विद्यार्थियों को स्कूल तक आने-जाने में किसी प्रकार की कठिनाई न हो, इसके लिए सरकार निःशुल्क साइकिल प्रदान करेगी। शिक्षा विभाग का मानना है कि इससे न केवल बच्चों की नियमित उपस्थिति बढ़ेगी, बल्कि ड्रॉपआउट दर में भी कमी आएगी।

महत्त्वपूर्ण कदम

यह योजना सामाजिक समानता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। दूर-दराज के गांवों में रहने वाले बच्चों को साइकिल मिलने से वे नियमित रूप से स्कूल आ सकेंगे। -अनीता बाई
जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी, फतेहाबाद

साइकिल विक्रेता, डीलर, डिस्ट्रीब्यूटर लेंगे भाग

योजना को पारदर्शी और प्रभावी बनाने के लिए जिला स्तर पर साइकिल क्रय मेला आयोजित किया जाएगा। इस मेले में साइकिल विक्रेता, डीलर, डिस्ट्रीब्यूटर व निर्माता भाग लेंगे। विक्रेताओं को निर्देश दिए गए हैं कि वे अपने-अपने मॉडल प्रदर्शित करें और साइकिल के रेट, साइज, वारंटी सहित सभी जानकारियां स्पष्ट रूप से अंकित करें। विभागीय निर्देशों के अनुसार साइकिल के निर्धारित प्रतिपूर्ति दर इस प्रकार हैं, 20 इंच साइकिल के लिए 2800 रुपये तथा 22 इंच साइकिल के लिए 3000 रुपये तय किए गए हैं जोकि जीएसटी/टैक्स सहित है।

मुखिया और एसएमसी प्रतिनिधि के हस्ताक्षर अनिवार्य

योजना के तहत लाभार्थी विद्यार्थी अपने स्कूल मुखिया, एसएमसी प्रधान तथा अभिभावकों के साथ जिला स्तरीय मेले में पहुंचेंगे। यहां विद्यार्थी अपनी पसंद की साइकिल का चयन करेंगे। चयन प्रक्रिया के दौरान प्रपत्र भरे जाएंगे, जिन पर विद्यार्थी, स्कूल मुखिया और एसएमसी प्रतिनिधि के हस्ताक्षर अनिवार्य होंगे। इसके बाद संबंधित विक्रेता निर्धारित समय सीमा के भीतर चयनित साइकिल स्कूल में उपलब्ध कराएगा।

डीबीटी के माध्यम से होगा भुगतान

शिक्षा विभाग ने भुगतान प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी बनाने के लिए डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर व्यवस्था अपनाई है। साइकिल उपलब्ध होते ही संबंधित विद्यार्थी के बैंक खाते में निर्धारित राशि डीबीटी के माध्यम से भेजी जाएगी। इसके बाद स्कूल मुखिया के संज्ञान में यह राशि संबंधित फर्म अथवा साइकिल विक्रेता को भुगतान के रूप में दी जाएगी। विभागीय स्तर पर स्पष्ट किया गया है कि साइकिल प्राप्ति और बैंक खाते में राशि आने की प्रक्रिया तीन दिनों के भीतर पूरी की जाएगी।

यह है आंकड़े

20 इंच प्राप्त प्रस्ताव : 153	कुल स्वीकृत साइकिलें : 313
22 इंच प्राप्त प्रस्ताव : 158	कुल बजट : 9,08,000/-

सिरसा। सर्व विद्यालय संघ सिरसा के पदाधिकारियों का प्रतिनिधिमंडल बोर्ड प्रशासन को ज्ञापन सौंपते हुए। *फोटो : हरिभूमि*

शिक्षा बोर्ड चेयरमैन से मिला प्रतिनिधिमंडल

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिरसा

सर्व विद्यालय संघ सिरसा के पदाधिकारियों के प्रतिनिधिमंडल ने हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड, भिवानी के चेयरमैन प्रोफेसर डॉ. पवन कुमार शर्मा एवं वाइस चेयरमैन सतीश शाहपुर से भेंट की। इस अवसर पर प्रतिनिधिमंडल ने बोर्ड परीक्षाओं के संचालन से जुड़ी विभिन्न व्यवहारिक समस्याओं को लेकर बोर्ड प्रशासन को एक विस्तृत ज्ञापन सौंपा और समाधान की मांग की। इस प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व सर्व विद्यालय संघ सिरसा के जिलाध्यक्ष बलदेव सहगल ने किया। प्रतिनिधिमंडल ने हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के उस सराहनीय निर्णय के लिए विशेष रूप से आभार व्यक्त किया, जिसके अंतर्गत गांवों में स्थित निजी विद्यालयों के परीक्षा केंद्र उसी गांव के सरकारी विद्यालयों में निर्धारित किए गए हैं। प्रतिनिधिमंडल ने बोर्ड परीक्षाओं के दौरान विद्यालयों को आ रही विभिन्न व्यवहारिक समस्याओं जैसे परीक्षा व्यवस्था से जुड़े प्रशासनिक प्रावधान, प्रक्रियात्मक कठिनाइयां तथा अन्य शैक्षणिक मुद्दों से बोर्ड प्रशासन को अवगत कराते हुए एक मांग-पत्र प्रस्तुत किया।

ये रहे प्रतिनिधिमंडल में शामिल

प्रतिनिधिमंडल में ब्लॉक प्रधान जगदीश नारंग, महासचिव रोशन लाल चामल, कोषाध्यक्ष छगन सेठी, उपाध्यक्ष राजकुमार अरोड़ा, कानूनी सलाहकार भारत भूषण धायल तथा मीडिया प्रभारी देवेंद्र शर्मा शामिल रहे। सभी पदाधिकारियों ने विद्यालयों से संबंधित मुद्दों को गंभीरता से रखते हुए बोर्ड प्रशासन का ध्यान आकर्षित किया।

मंडल स्तरीय सड़क सुरक्षा प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता

फतेहाबाद ने तीन वर्गों में मारी बाजी

हरिभूमि न्यूज ⏭ टोहाना

फतेहाबाद। विजेताओं को सम्मानित करते एएसपी।

सड़क सुरक्षा के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से मंडल स्तरीय सड़क सुरक्षा प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन पुलिस लाइन फतेहाबाद में किया गया। इस प्रतियोगिता में मंडल के विभिन्न जिलों हांसी, हिसार, सिरसा, डबवाली व फतेहाबाद से कुल 72 प्रतिभागियों ने भाग लेकर अपनी प्रतिभा और जागरूकता का परिचय दिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सहायक पुलिस अधीक्षक दिव्यांशी सिंगला उपस्थित रही। प्रतियोगिता को कुल चार स्तरों में आयोजित किया गया। प्रथम स्तर में कक्षा तीसरी से पांचवीं, द्वितीय स्तर में कक्षा छठी से आठवीं, तृतीय स्तर में कक्षा नौवीं से बारहवीं, जबकि चतुर्थ स्तर में यूजी/पीजी के विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रत्येक स्तर में छह प्रतिभागियों की टीमें बनाई गई, जिनमें कुल 12 टीमों ने प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। प्रतियोगिता के दौरान प्रतिभागियों ने सडक़ सुरक्षा नियमों, यातायात संकेतों, हेलमेट व सीट बेल्ट के महत्व, नशे में वाहन चलाने के दुष्परिणाम तथा दुर्घटना रोकथाम जैसे विषयों पर आधारित प्रश्नों के सटीक उत्तर देकर दिखाई प्रतिभा।

प्रतियोगिता के ये रहे परिणाम

परिणामों की घोषणा के अनुसार प्रथम स्तर कक्षा 3-5 में जिला फतेहाबाद की टीम प्रथम रही। द्वितीय स्तर कक्षा 6-8 में भी फतेहाबाद की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। तृतीय स्तर कक्षा 9-12 में जिला हांसी की टीम विजेता रही, जबकि चतुर्थ स्तर यूजी/पीजी में एक बार फिर फतेहाबाद की टीम ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान हासिल किया।

हरियाणा ग्रामीण विकास योजना में भेदभाव का आरोप

भट्टूकलां। हरियाणा ग्रामीण विकास योजना वित्त वर्ष 2025-26 के तहत जारी विकास राशि के वितरण को लेकर गंभीर आरोप सामने आए हैं। फतेहाबाद हल्का से वर्ष 2024 के आजाद प्रत्याशी रहे संजय उर्फ जंगली ने योजना में कथित भेदभाव और असंतुलित आवंटन का आरोप लगाते हुए इसे जनता के साथ अन्याय बताया है। उनका आरोप है कि योजना के अंतर्गत 5 करोड़ 3 लाख 92 हजार की राशि भट्टू, भुना और फतेहाबाद तीन ब्लॉकों के लिए स्वीकृत की गई थी, लेकिन 7 जनवरी 2026 को जारी की गई आधिकारिक सूची में कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आए। भट्टू ब्लॉक में कुल 24 गांव हैं, लेकिन जारी सूची में केवल 8 गांवों को ही शामिल किया गया है, जबकि शेष 16 गांवों को पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया गया। इन वंचित गांवों को सडक़, नाली और रास्तों जैसे बुनियादी विकास कार्यों से भी वंचित रखा गया है। संजय के अनुसार भट्टू ब्लॉक के 8 गांवों के लिए कुल 1 करोड़ 4 लाख 95 हजार स्वीकृत किए गए जबकि भुना ब्लॉक को मात्र 22 लाख की राशि मिली। फतेहाबाद ब्लॉक को 3 करोड़ 76 लाख 97 हजार की बड़ी राशि दी गई है। सबसे गंभीर मामला फतेहाबाद ब्लॉक से जुड़ा है, जहां एक ही गांव में 12 अलग-अलग विकास कार्य दर्शाकर 76 लाख 58 हजार की राशि स्वीकृत कर दी गई, जबकि भट्टू ब्लॉक के 16 गांव सूची में शामिल तक नहीं किए गए।

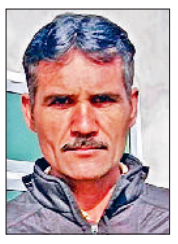

- भट्टू ब्लॉक के 16 गांव सूची से बाहर, एक ही गांव में 12 कार्यों पर 76 .58 लाख खर्च

न्यूज डायरी

स्वास्थ्य शिविर में सैंकड़ों गठिया के रोगियों की जांच

सिरसा। डेरा सच्चा सौदा द्वारा लगाए जा रहे विशाल स्वास्थ्य जांच शिविरों की कड़ी के तहत शनिवार को शाह सतनाम जी स्पेशलिटी अस्पताल में गठिया रोग से पीड़ित मरीजों की विशेष जांच की गई। शिविर में पहुंचे विशेषज्ञ डॉक्टरों ने सैकड़ों मरीजों की जांच कर उन्हें उपचार दिया। शिविर में रूमेटोलॉजिस्ट विशेषज्ञ डॉ. इंद्रजीत अग्रवाल, डॉ. रामनिवास, डॉ. शेहिल, डॉ. नैंसी तथा डॉ. यशप्रीत ने अपनी सेवाएं दी। इसके अलावा डॉ. गौरव अग्रवाल इंसां, डॉ. मीनाक्षी इंसां, डॉ. संदीप भादू, हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. वेदिका और फिजियोथैरेपिस्ट डॉ. जसविंद्र सहित अन्य चिकित्सकों ने भी मरीजों की जांच की।

हेरोइन तस्करी के मुख्य सप्लायर को किया काबू

फतेहाबाद। हेरोइन तस्करी मामले में कार्रवाई करते हुए थाना शहर फतेहाबाद पुलिस ने मुख्य सप्लायर को गिरफ्तार किया है। थाना शहर फतेहाबाद प्रभारी निरीक्षक सुरेंद्रा ने बताया कि 9 दिसंबर 2025 को एंटी नारकोटिक सेल फतेहाबाद की टीम गश्त के दौरान गली 4 मरला कॉलोनी, नजदीक पालिका बाजार फतेहाबाद पहुंची। इस दौरान शक के आधार पर एक युवक को काबू किया गया। आरोपी की पहचान संदीप कुमार निवासी अकांवाली, जिला फतेहाबाद के रूप में हुई। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से 13.18 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। इस संबंध में थाना शहर फतेहाबाद में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया।

सनातन धर्म मंदिर में श्री राम ताली संकीर्तन 20 को

टोहाना। श्री राम मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा के दो वर्ष पूर्ण होने पर 20 जनवरी को सनातन धर्म मंदिर में श्री राम ताली संकीर्तन का भव्य आयोजन किया जाएगा। यह आयोजन सनातन युवा प्रचार मंच के तत्वावधान में किया जाएगा। इस बारे जानकारी देते हुए पवन बंसल ने बताया कि कार्यक्रम सायं 6:30 बजे से 9 बजे तक चलेगा। इस दौरान श्री श्याम ताली संकीर्तन मंडल द्वारा भगवान श्री राम के भजनों का भावपूर्ण गुणगान किया जाएगा। कीर्तन के माध्यम से श्रद्धालुओं को भक्ति से जोडऩे एवं सनातन संस्कृति के प्रचार-प्रसार का उद्देश्य रखा गया है। आयोजक मंडल ने क्षेत्र के राम भक्तों से अपील करते हुए कहा कि कि वे इस पावन आयोजन में भाग लें और भगवान श्री राम के गुणगान में सहभागी बनें।

मानवी बिश्नोई और ऋषिका कबीर ने जीता गोल्ड मेडल

टोहाना। बजरंग बली बॉक्सिंग अकैडमी की बॉक्सर मानवी बिश्नोई और ऋषिका कबीर ने दिल्ली में संपन्न हुई नेशनल बॉक्सिंग चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल हासिल करके क्षेत्र व प्रदेश का नाम रोशन किया है। बजरंगबली बॉक्सिंग अकैडमी संचालक विनय वर्मा और बॉक्सिंग कोच महेश कुमार डांगरा ने बताया की मानवी बिश्नोई और ऋषिका कबीर ने नई दिल्ली में संपन्न हुई नेशनल बॉक्सिंग चैंपियनशिप में ऋषिका ने अंडर-14 गल्र्स में 36 किलोग्राम भार वर्ग में गोल्ड मेडल प्राप्त किया और वही मानवी ने अंडर -17 गल्र्स में 42 किलोग्राम में गोल्ड मेडल प्राप्त किया।

सांसद से की हरियाणा पुलिस भर्ती में आयु छूट की मांग

टोहाना। हरियाणा पुलिस भर्ती में आयु छूट की मांग को लेकर युवाओं ने राज्यसभा सदस्य सुभाष बराला मुलाकात की है। इस दौरान उन्होंने अपनी मांग को लेकर सुभाष बराला को ज्ञापन दिया है। हरियाणा पुलिस भर्ती में आयु सीमा में छूट की मांग को लेकर युवाओं का प्रतिनिधिमंडल स्वीटी मेहता व समीक्षा के नेतृत्व में उनके पैतृक गांव डांगरा में मिला। मुलाकात के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने सुभाष बराला को विस्तार से बताया कि हरियाणा सीईटी 2022 और सीईटी 2025 के परीक्षा आयोजन के बीच आए लगभग 3 साल के अंतराल के कारण प्रदेश की हजारों बेटियां और युवा बिना किसी गलती के ओवर-एज हो गए हैं।

श्री खाटू श्याम धाम का स्थापना महोत्सव 26 से

- 26 जनवरी को मंदिर प्रांगण में 18वें वार्षिक महोत्सव का आगाज गणेश पूजन से होगा

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिरसा

सिरसा। बैठक में भाग लेते ट्रस्ट के पदाधिकारी। *फोटो : हरिभूमि*

श्री खाटू श्याम धाम में आगामी 26 से 30 जनवरी तक किए जाने वाले 18वें स्थापना महोत्सव को लेकर श्री श्याम परिवार ट्रस्ट पदाधिकारियों की मीटिंग मंदिर परिसर में हुई। बैठक में महोत्सव को भव्य व आकर्षक बनाने के लिए पदाधिकारियों से चर्चा की गई और उनसे सुझाव भी मांगे गए।

सभी पदाधिकारियों ने अपने-अपने सुझाव दिए। मीटिंग में श्री श्याम परिवार में नए सदस्यों को जोडक़र परिवार का विस्तार करने पर भी चर्चा हुई। दिपेश गोयल ने बताया कि आगामी 26 जनवरी को मंदिर प्रांगण में 18वें वार्षिक महोत्सव का आगाज गणेश पूजन से होगा। इसके साथ-साथ ध्वजा पूजन व मेहंदी रस्म भी आयोजित की जाएगी। आगामी 27 जनवरी को नई अनाज मंडी से श्री श्याम बाबा की नगर भ्रमण यात्रा निकाली जाएगी, जोकि शहर के विभिन्न बाजारों से होते हुए वापस मंदिर प्रांगण में पहुंचेगी। नगर भ्रमण यात्रा के दौरान दिल्ली से पधारे बैंड, कलकत्ता से पधारे कलाकारों द्वारा सुसज्जित झांकियां व पटना से आए ढोल वादक अपनी प्रस्तुति देंगे। राजस्थान से डफ पार्टी, शहनाई वादक व बाहर से आए हुए कलाकार प्रवीण दाधिची व अमन सैनी शोभा यात्रा के दौरान बाबा की महिमा का गुणगान करेंगे।

शोभायात्रा में 351 निशान ध्वज होंगे शामिल

शोभा यात्रा में 351 निशान ध्वज शामिल होंगे। बाबा का भव्य रथ श्याम श्रद्धालु अपने हाथों से खींचकर बाबा को नगर भ्रमण करवाएंगे। इसी उपलक्ष्य में मंदिर प्रांगण में भव्य आतिशबाजी व बाबा की पावन आरती होगी। आगामी 28 जनवरी को श्री श्याम मंडपम में श्याम बाबा का संकीर्तन होगा, जिसमें श्याम बाबा का भव्य दरबार, छप्पन भोग व श्याम जोत दर्शन होंगे। कोलकता से पधारे शुभम रूपम और प्रिया-प्राची ठाकुर दिल्ली से अपनी मधुर वाणी से बाबा का गुणगान करेंगे। आगामी 29 जनवरी को मंदिर प्रांगण में भजन संध्या होगी, जिसमें जयुपर से पधारी अंजली चतुर्वेदी बाबा की महिमा का गुणगान करेंगी। भजन संध्या के बाद बाबा की आरती होगी और बाबा को छप्पन भोग का भोग लगाकर श्रद्धालुओं को वितरित किया जाएगा।

काम पर रखने से पहले पुलिस वेरिफिकेशन जरूरी

सिरसा। पुलिस अधीक्षक दीपक सहारण ने एडवाइजरी जारी करते हुए कहा कि घर में या दुकान में नौकरी पर रखने से पहले पुलिस वेरिफिकेशन करवाना जरूरी है। उन्होंने बताया कि ऐसा हो सकता है कि नौकर अपराधिक प्रवृत्ति का हो, या फिर किसी आपराधिक वारदात का वांछित हो। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि कई बार कुछ अपराधिक प्रवृत्ति के लोग अपराध को अंजाम देने के लिए मकान किराए पर ले लेते है और किराएदार बनकर चोरी, लूट, डकैती व बलात्कार जैसी अपराधिक घटनाओं का षडयंत्र रच वारदात को अंजाम देकर मौके से फरार हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस सत्यापन में लापरवाही बरतने पर मकान, संस्थान तथा दुकान मालिकों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। कई बार मकान मालिकों तथा दुकानदारों द्वारा नौकरों और किरायेदारों की वेरिफिकेशन न करवाए जाने के कारण अक्सर बड़ी आपराधिक घटनाएं हो जाती है, जिस कारण से पुलिस को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है।

सिरसा। एनएसएस शिविर में स्वयंसेवकों को बाल अधिकार, महिला हेल्पलाइन की जानकारी देते हुए। *फोटो : हरिभूमि*

राष्ट्रीय सेवा योजना के शिविर में बाल अधिकार व महिला हेल्पलाइन की दी जानकारी

सिरसा। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय रामपुरा ढिल्लों में सात दिवसीय एनएसएस शिविर का शनिवार को समापन हो गया। 7वें दिन का शुभारंभ ईश वंदना, राष्ट्रगान, लक्ष्य गीत से हुआ। एनएसएस कार्यक्रम प्रभारी अनिल कुमार प्रवक्ता अंग्रेजी ने बताया कि 7वें दिन के कार्यक्रम के अवसर पर बाल संरक्षण विभाग से प्रदीप चौहान व बाल कल्याण समिति सदस्य अनिल ढिढ़ारिया ने शिरकत की। उन्होंने स्वयंसेवकों को साइबर क्राइम, बाल अधिकार, महिला हेल्पलाइन, पोक्सो एक्ट के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वर्तमान समय में साइबर क्राइम काफी बढ़ गया है, ठगों ने ठगी के अनेक तरीके निकाल लिए हैं, जिसका शिकार जनता हो रही है। उन्होंने स्वयंसेवकों से कहा कि वो किसी को अपना यूपीआई पिन न बताएं, इसके साथ-साथ एटीएम में जाते वक्त अन्य व्यक्ति के पास होते हुए एटीएम का इस्तेमाल न करें। किसी से अपना एटीएम पिन व क्रेडिट कार्ड सीवीवी सांझा न करें। महिला हेल्प लाइन के बारे में जानकारी देते हुए कमेटी सदस्यों ने बताया कि महिलाओं की सुरक्षा को लेकर सरकार की ओर से अनेक सुविधाएं दी गई है, किसी भी संकट की स्थिति में महिला हेल्पलाइन नंबर का इस्तेमाल करें, ताकि समय रहते किसी अप्रिय घटना से बचा जा सके। इस दौरान स्वयंसेवकों ने के सवालों के उत्तर देकर उनकी जिज्ञासा को शांत किया गया।

अभियान 12 फरवरी तक निरंतर चलता रहेगा योग अभियान

सूलीखेड़ा में ग्रामीणों को प्रतिदिन सूर्य नमस्कार व योग प्राणायाम को अपने जीवन का हिस्सा बनाने का दिलाया संकल्प

वैश्विक स्तर पर आरोग्य की क्रांति के लिए अपनाना होगा सूर्य नमस्कार

- सूर्य नमस्कार न केवल शरीर को लाभ पहुंचाता है बल्कि मानसिक स्वास्थ्य पर गहरा प्रभाव डालता

हरिभूमि न्यूज ⏭ भट्टूकलां

भट्टूकलां। गांव सूलीखेड़ा में ग्रामीणों को सूर्य नमस्कार का अभ्यास करवाते आयुष योग सहायक। *फोटो : हरिभूमि*

राज्यस्तरीय सूर्य नमस्कार अभियान के अंतर्गत आयुष योग सहायक अनिल कुमार ने आज गांव सूलीखेड़ा स्थित योगशाला में ग्रामीणों को सूर्य नमस्कार अभ्यास का प्रशिक्षण दिया। उन्होंने ग्रामीणों को प्रतिदिन सूर्य नमस्कार व योग प्राणायाम को अपने जीवन का हिस्सा बनाने, स्वस्थ नागरिक बनकर देश की सेवा करने के साथ 'योग युक्त नशा मुक्त भारत' बनाने के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने का संकल्प करवाया।

हरियाणा योग आयोग व आयुष विभाग के संयुक्त तत्वाधान में जिला आयुर्वेदिक अधिकारी डॉ. प्रवीण शर्मा, जिला योग समन्वयक डॉ. भारती चौहान के निर्देशानसार आयुर्वेदिक चिकित्सा अधिकारी डॉ विश्वजीत जांगड़ा के मार्गदर्शन में जिलेभर में सूर्य नमस्कार अभियान चलाया जा रहा है।

12 जनवरी स्वामी विवेकानंद की जयंती से लेकर 12 फरवरी महर्षि दयानंद सरस्वती की जयंती तक अभियान निरंतर चलेगा। ग्रामीणों को सूर्य नमस्कार का अभ्यास करवाते हुए आयुष योग सहायक अनिल कुमार ने बताया कि सूर्य नमस्कार न केवल शरीर को लाभ पहुंचाता है बल्कि मानसिक स्वास्थ्य पर भी गहरा प्रभाव डालता है। इस अभ्यास में सचेत गति, नियंत्रित श्वास और ध्यान केंद्रित करना शामिल है, जो तनाव और चिंता को कम कर सकता है। लयबद्ध श्वास और गति मन को शांत करने में मदद करती है, जिससे तनाव और चिंता का स्तर कम होता है।

अनिल कुमार ने बताया कि आज हमारे देश के सामने सबसे बड़ी चुनौती नशे और आरोग्य की है। इसके लिए हमें वैश्विक स्तर पर सूर्य नमस्कार सहित योग अभ्यास को जीवन में अपनाने की पहल करनी होगी। हमें योगवर्ती के साथ-साथ देश को स्वावलंबी बनाने के लिए स्वदेशी वर्ती बनने का संकल्प लेना होगा।

वेबसाइट पर जाकर पंजीकरण कराएं

आयुष योग सहायक उग्रसेन, संजय व सतवीर सिंह ने ग्रामीणों को विधिवत तरीके से सूर्य नमस्कार का अभ्यास करवाया। उन्होंने बताया कि हम सूर्य नमस्कार की वेबसाइट पर जाकर अपना पंजीकरण भी कर सकते हैं और सर्टिफिकेट भी प्राप्त कर सकते हैं। गांव सूली खेड़ा के सरपंच सुरेश कुमार ने कहा कि एक स्वस्थ जीवनशैली अपनाना कोई एक दिन का काम नहीं, बल्कि जीवन भर की आदत है, यह हमें न केवल बीमारियों से बचाता है, बल्कि जीवन के हर पल को खुशी और उत्साह के साथ जीने का अवसर देता है। आज हम यह संकल्प लें कि हम अपने और अपने परिवार के स्वास्थ्य को प्राथमिकता देंगे और एक स्वस्थ, समृद्ध और खुशहाल भविष्य की ओर कदम बढ़ाएंगे।

खबर संक्षेप

श्री ब्राह्मण धर्मशाला के प्रथम तल का शुभारंभ 23 को

फतेहाबाद। श्री ब्राह्मण सभा की ओर से जगजीवनपुरा रोड पर संचालित श्री ब्राह्मण धर्मशाला का प्रथम तल बनकर तैयार हो चुका है। धर्मशाला के प्रथम तल एवं 5 कमरों का शुभारंभ 23 जनवरी हो होगा। माघ शुक्ल पंचमी विक्रम संवत 2082 शुक्रवार को बसंत पंचमी के अवसर पर कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर पूर्व विधायक चौधरी दुड़ाराम, प्रमुख समाजसेवी एवं अग्रवाल सभा के संरक्षक सेठ देवीलाल तायल व पंडित चरणजीत शर्मा, भंडारे वाला बाबा भाग लेंगे। श्री ब्राह्मण सभा फतेहाबाद के प्रधान रामनिवास शर्मा ने बताया कि इस अवसर पर श्री हरिनाम संकीर्तन मंडल ट्रस्ट फतेहाबाद द्वारा बसंत पंचमी के उपलक्ष्य में प्रातः 10:30 से दोपहर . बजे तक संकीर्तन भी होगा।

रतिया से वाया कामना बादलगढ़ रूट पर रात को बस चलाने की मांग

रतिया। हरियाणा रोडवेज की रतिया से कमाना,कंवलगढ़, महमड़ा, निकूआना, बेनीखेड़ा, बादलगढ़ व बबनपुर तक शाम को चलने वाली अंतिम बस बंद कर दी गई है। इसे लेकर हरियाणा डोमा परिसंघ कांग्रेस के प्रदेश महासचिव टीटू गिल ने रोडवेज जीएम से बात कर इस बस को दोबारा से शुरू करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि रतिया से कमाना, बादलगढ़ रूट के गांवों से काफी लोग काम के सिलसिले में रोज रतिया आते हैं। वे यहां से शाम को जाने वाली अंतिम बस में सवार होकर ही अपने घर पहुंचते हैं, लेकिन पिछले दिनों विभाग ने शाम के समय चलने वाली इस बस को बंद कर दिया है, जिस कारण सैकड़ों लोग परेशान हैं।

सीआईए रतिया ने पेशेवर चोर को किया गिरफ्तार

फतेहाबाद। सीआईए स्टाफ रतिया ने पेशेवर चोर को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान कमलदीप पुत्र गुरजंट सिंह निवासी वार्ड नंबर 7, रतिया के रूप में हुई है। सीआईए रतिया प्रभारी एएसआई रिछपाल ने बताया कि सीआईए स्टाफ रतिया की टीम ने सूचना के आधार पर चोरी की वारदातों में संलिप्त एक शातिर आरोपी को काबू किया गया है। पुलिस जांच में यह तथ्य सामने आया है कि उक्त आरोपी आदतन श्रेणी का अपराधी है, जिस पर चोरी व अन्य संगीन आपराधिक मामलों के कई मुकदमे दर्ज हैं।

गाड़ी से शराब मिलने के मामले में आरोपी काबू

फतेहाबाद। एक क्रेटा गाड़ी से अवैध शराब बरामद होने के मामले में कार्रवाई करते हुए भूना पुलिस ने एक युवक को काबू किया है। आरोपी की पहचान सुमित पुत्र अनिल निवासी गांव गोरखपुर, फतेहाबाद के रूप में हुई है। थाना प्रभारी उपनिरीक्षक ओमप्रकाश ने बताया कि 28 दिसंबर 2025 को पुलिस टीम गोरखपुर से खजुरी रोड की ओर गश्त कर रही थी। तभी पुलिस ने एक क्रेटा गाड़ी की तलाशी ली। पुलिस को देखकर वाहन सवार अंधेरे का फायदा उठा खेतों की ओर फरार हो गए थे।

संगीत व विद्या की देवी सरस्वती को समर्पित पर्व बसंत पंचमी 23 को

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

इस बार बसंत पंचमी का पर्व 23 जनवरी को मनाया जाएगा। बऔर संगीत की देवी सरस्वती को समर्पित है। इस दिन पीले वस्त्र पहनकर, सरस्वती पूजा व दान का विशेष महत्व है। पवित्र नदियों में स्नान, खासकर कुंभ में, पापों का नाश कर सुख-समृद्धि देता है। यह दिन गुरु ग्रह को मजबूत कर विद्या व धन में वृद्धि करता है, साथ ही बसंत ऋतु के आगमन का प्रतीक है, जो प्रकृति में नवजीवन और उल्लास लाता है।

■ फतेहाबाद। पंडित राजेश शर्मा।

शहर के प्रमुख ज्योतिषाचार्य पंडित राजेश शर्मा ने बताया कि माघ शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि की शुरुआत 22 जनवरी दोपहर 3 बजकर 20 मिनट से होगी और इसका समापन अगले दिन 23 जनवरी दोपहर 2 बजकर 20 मिनट में होगा। उन्होंने कहा कि बसंत पंचमी के दिन विधि-विधान और श्रद्धा के साथ मां सरस्वती की पूजा करने से ज्ञान, बुद्धि और स्मरण शक्ति में से वृद्धि होती है। छात्र-छात्राओं को इस दिन प्रातः स्नान कर शुद्ध मन से पूजा करनी चाहिए। षोडशोपचार विधि से की गई पूजा विशेष फलदायी मानी जाती है। बसंत पंचमी पर शहर के विभिन्न हिस्से में माता सरस्वती की पूजा विधिवत रूप से पंडाल बनाकर की जाएगी। मंदिरों में अनुष्ठान और भजन कीर्तन होंगे। पंडित राजेश शर्मा के अनुसार बसंत पंचमी का पर्व माघ शुक्ल पक्ष में मनाया जाता है।

बसंत पंचमी की पूजा विधि

पंडित राजेश शर्मा के अनुसार बसंत पंचमी के दिन प्रातःकाल उठकर सबसे पहले धरती माता को प्रणाम करें। इसके बाद स्नान कर पीले रंग के वस्त्र धारण करें, क्योंकि पीला रंग समृद्धि, ज्ञान और ऊर्जा का प्रतीक माना जाता है। मां सरस्वती की मूर्ति या चित्र को गंगाजल से शुद्ध कर पीले या सफेद वस्त्र अर्पित करें। इसके बाद चंदन, हल्दी, केसर, रोली, अक्षत, फल और फूल अर्पित करें। मां को बूंदी के लड्डू, दही और हलवे का भोग लगाएँ। मान्यता है कि इससे बुद्धि का विकास होता है और शिक्षा में सफलता मिलती है।

बसंत ऋतु का होगा शुभारंभ

पंडित राजेश शर्मा ने बताया कि प्राचीन काल से ही वसंत पंचमी को प्रकृति के सौंदर्य और उल्लास से जुड़ा पर्व माना गया है। इस समय पेड़-पौधों पर नई कोपलें और फूल खिलने लगते हैं। खेतों में सरसों की पीली फसल, आम के बौर और गुलाबी ठंडक वातावरण को मनमोहक बना देती है। वसंत पंचमी नई फसल, नई शुरुआत और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक मानी जाती है। इस ऋतु में न केवल प्रकृति, बल्कि मानव मन और स्वास्थ्य में भी नई ऊर्जा का संचार होता है। होली के लिए आवश्यक होली का डंडा भी इसी दिन गाड़ा जाएगा।

पीले रंग का विशेष महत्व

पंडित राजेश शर्मा के अनुसार इस दिन पीले रंग का विशेष महत्व होता है। पीला रंग ज्ञान, ऊर्जा और शुभता का प्रतीक माना जाता है। मां सरस्वती को पीले वस्त्र और पीले फूल अति प्रिय हैं। पूजा में पीले चावल, केसरिया हलवा या मीठे व्यंजन का भोग लगता है। इसी दिन भगवान ब्रह्मा के मुख से मां सरस्वती प्रकट हुई थी। इसलिए बसंत पंचमी को शिक्षा की शुरुआत के लिए सबसे शुभ माना जाता है।

रतिया, फतेहाबाद, भूना, टोहाना और जाखल के सैकड़ों कर्मचारी होंगे शामिल

कच्चे कर्मियों को पक्का करने की मांग डीसी दफ्तर पर 19 को होगा प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के फैसले अनुसार नगरपालिका में लगे सफाई कर्मचारियों सहित तमाम विभागों में कार्यरत कच्चे कर्मचारियों को नियमित करने की मांग को लेकर नगरपालिका कर्मचारी संघ के आह्वान पर सभी इकाईयों रतिया, फतेहाबाद, भूना, टोहाना व जाखल के सैंकड़ों कर्मचारी 19 जनवरी को उपायुक्त कार्यालय पर प्रदर्शन करते हुए कूच करेंगे। प्रदर्शन के बाद उपायुक्त के माध्यम से हरियाणा सरकार को ज्ञापन भेजा जाएगा। यह जानकारी नगरपालिका कर्मचारी संघ के जिला प्रधान विजय कुमार ढाका ने आज यहां जिला कार्यकारिणी की बैठक की अध्यक्षता करते हुए दी। बैठक का संचालन जिला सचिव रविन्द्र कुमार ने किया वहीं राज्य वरिष्ठ उप प्रधान रमेश तोषामड़ विशेष तौर पर भी उपस्थित रहे।

बैठक को संबोधित करते हुए नगरपालिका कर्मचारी संघ के राज्य प्रैस सचिव व जिला प्रधान विजय ढाका ने कहा कि नगरपालिका कर्मचारी संघ हरियाणा सरकार से मांग करता है कि पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय द्वारा 23 व 31 दिसंबर, 2025 को लंबित मामलों का निपटारा करते हुए महत्वपूर्ण फैसला दिया गया है। हाईकोर्ट के आदेश अनुसार 1993, 1996, 2003 व 2011 की नियमितीकरण नीतियों के अंतर्गत अनियमित से नियमित होने वाले कच्चे कर्मचारियों को उन्हीं नीतियों के तहत नियमित किया जाए तथा जो कर्मचारी इन नीतियों के अंतर्गत नियमित नहीं हो पाते हैं, उन्हें नए पद सृजित करते हुए नई नीति बनाकर नियमित किया जाए। इसके साथ ही प्रदेश के विभिन्न सरकारी विभागों में 10 वर्षों से कार्यरत सभी कच्चे कर्मचारियों को नीति बनाकर नियमित करने के निर्देश भी दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि नगरपालिका कर्मचारी संघ हरियाणा भी लंबे समय से नियमितीकरण की मांग को तर्क एवं तथ्यों के आधार पर सही ठहराया है। संघ सरकार से यह भी मांग करता है कि जिन सहायक स्टाफ ने एक वर्ष की अवधि में 240 कार्य-दिवसों के अनुसार न्यूनतम दो वर्षों की सेवा पूर्ण कर ली है, उन सभी को नीति बनाकर नियमित किया जाए। कच्चे कर्मचारियों को पक्का करने, खाली पदों को भरने, समान काम समान वेतन भत्तों सहित देने, ठेका प्रथा बन्द कर पक्की नौकरी देने आदि मांगों को लेकर नगरपालिका व नगरपरिषद कर्मचारी 12 फरवरी की राष्ट्रव्यापी हड़ताल में भी बढ़चढ़ कर भाग लेंगे।

फतेहाबाद। बैठक में भाग लेते नगरपालिका कर्मचारी संघ के पदाधिकारी।

सकसं की चेतावनी, मांगें न मानीं तो 12 को होगी हड़ताल

सिरसा। सर्वकर्मचारी संघ की बैठक में भाग लेते कर्मचारी।

सिरसा। सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा सिरसा ब्लॉक की बैठक शनिवार टाउन पार्क में हुई। ब्लॉक प्रधान ललित सोलंकी ने कहा कि पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्टद्वारा कच्चे कर्मचारियों के पक्ष में दिए गए ऐतिहासिक और स्पष्ट आदेशों के बावजूद हरियाणा सरकार उन्हें लागू करने के बजाय जानबूझकर टालमटोल की नीति अपना रही है। सरकार कभी डबल बेंच में जाने की बात करती है, तो कभी सुप्रीम कोर्ट की आड़ लेकर आदेशों को निष्प्रभावी करने का रास्ता अपनाती रही है, जो सीधे-सीधे न्यायालय की अवमानना और कर्मचारियों के साथ विश्वासघात है। नगरपालिका के जिला प्रधान मनोज अटवाल ने कहा कि वर्ष 2017 में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के मैस वर्करों के पक्ष में आए फैसले को भी आज तक लागू नहीं किया गया। इससे स्पष्ट है कि सरकार की नीति न्याय देने की नहीं, बल्कि फैसलों को लटकाने और कर्मचारियों को थकाने की रही है। नगरपालिका इकाई प्रधान नरेश चौहान ने कहा कि यह संघर्ष केवल नियमितीकरण का नहीं, बल्कि सम्मान, सुरक्षा और संविधान द्वारा प्रदत्त अधिकारों का है। यदि सरकार ने अब भी उच्च न्यायालय के आदेशों को लागू नहीं किया, तो आगामी 12 फरवरी की राष्ट्रव्यापी हड़ताल में हरियाणा का कर्मचारी वर्ग पूरी ताकत के साथ भाग लेगा और संघर्ष को निर्णायक मोड़ दिया जाएगा। इसकी पूरी जिम्मेदारी सरकार की होगी। सर्व कर्मचारी संघ ने सभी कच्चे कर्मचारियों का आह्वान किया कि वे आगामी 19 जनवरी को जिला स्तर पर होने वाले प्रदर्शन में अनिवार्य रूप से शामिल हों।

घर–दुकान बंद कर बाहर जाने से पहले पुलिस को दें सूचना

हरिभूमि न्यूज. फतेहाबाद।

धुंध के मौसम में चोरी की घटनाएं भी बढ़ने लगती हैं। ऐसे में बढ़ती चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने और आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन ने नागरिकों से एडवाइजरी जारी की है। एसपी का कहना है कि शहर व ग्रामीण क्षेत्रों में यह देखने में आ रहा है कि जब परिवार किसी कारणवश घर से बाहर चले जाते हैं और घर अथवा दुकानें लंबे समय तक बंद रहती हैं, तो असामाजिक तत्व ऐसे स्थानों को निशाना बनाकर चोरी व सेंधमारी की वारदातों को अंजाम देते हैं।

पुलिस अधीक्षक ने कहा कि अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए पुलिस और जनता के बीच आपसी सहयोग बेहद जरूरी है। यदि आमजन सतर्क रहें और समय रहते पुलिस को सूचना दें, तो अधिकांश वारदातों को पहले ही रोका जा सकता है। एसपी ने नागरिकों से अपील की है कि जब भी वे अपने घर या दुकान को बंद कर किसी कारणवश बाहर जाने की योजना बनाएं—चाहे वह कुछ घंटों के लिए हो, एक दिन या कई दिनों के लिए—तो इसकी सूचना अपने नजदीकी पुलिस थाना अथवा डायल 112 पर अवश्य दें। सूचना देते समय यह भी बताएं कि वे कब से कब तक बाहर रहेंगे तथा घर या दुकान का पूरा पता क्या है। उन्होंने बताया कि इस प्रकार की पूर्व सूचना मिलने से पुलिस को संबंधित क्षेत्र में अतिरिक्त सतर्कता बरतने में मदद मिलती है।

घर में चोरी के दो आरोपी गिरफ्तार, गहने बरामद

फतेहाबाद। सीआईए फतेहाबाद पुलिस ने थाना सदर फतेहाबाद क्षेत्र में हुई घर से चोरी की वारदात का खुलासा करते हुए दो युवकों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी किए गए सोने चांदी के गहने व अन्य सामान बरामद किया है। पकड़े गए युवकों की पहचान मोहित पुत्र धर्मपाल निवासी काजलहेड़ी हाल खारा बरवाला जिला हिसार तथा विशाल पुत्र हेतराम निवासी खारा बरवाला जिला हिसार के रूप में हुई है। सीआईए फतेहाबाद प्रभारी उपनिरीक्षक वेदपाल ने बताया कि 10 जनवरी से 14 जनवरी के बीच गांव काजलहेड़ी में एक बंद मकान से चोरी की वारदात हुई थी। शिकायतकर्ता धर्मपाल पुत्र रामस्वरूप निवासी गांव काजलहेड़ी ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह 10 जनवरी को दोपहर के समय अपने पारिवारिक कार्य से भादरा, राजस्थान गया हुआ था। 14 जनवरी को वापस लौटने पर उसके घर के मुख्य द्वार का ताला टूटा हुआ मिला। घर के अंदर अलमारी खुली हुई थी, जिसमें रखा सोना-चांदी का सामान चोरी हो चुका था।

अव्वल विद्यार्थियों का दल शैक्षणिक भ्रमण पर राजस्थान के लिए रवाना

हरिभूमि न्यूज ⏭ फतेहाबाद

समग्र शिक्षा फतेहाबाद के तत्वाधान में जिले के विज्ञान विषय के अव्वल छात्र-छात्राओं का एक दल राजस्थान जयपुर, पुष्कर अजमेर प्राचीन व दर्शनीय एवं ऐतिहासिक स्थलों के भ्रमण के लिए रवाना हुआ। इस दल में 8 छात्र व छात्रा तथा एक अध्यापक शामिल है।

जिला परियोजना संयोजक दलबीर सिंह ने बताया कि विज्ञान विषय के प्रति रूचि बनाने के लिए विभाग द्वारा समय-समय पर ऐसे भ्रमण कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं ताकि बच्चों की इस विषय के प्रति रूचि बने तथा जो छात्र-छात्रा भ्रमण करके आए वे अन्य बच्चों को भी इस विषय के प्रति प्रोत्साहित करें। इसके स्वरूप कई स्थानों पर जाने का मौका मिलेगा। जिला शिक्षा अधिकारी संगीता बिश्नोई, जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी अनीता बाई ने भी इन छात्र छात्राओं को शुभकामनाएं दी ।यह भ्रमण 21 जनवरी तक रहेगा। इस टूर में गांव पारता, रतिया व बपगांव स्कूल के छात्र-छात्रा शामिल हुए।

फतेहाबाद। राजस्थान भ्रमण के लिए रवाना होते विद्यार्थी।

अवैध हथियार मामले में भूना पुलिस ने दूसरे आरोपी को किया काबू

फतेहाबाद। अवैध हथियारों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत भुना पुलिस ने आम्स एक्ट के एक मामले में दूसरे आरोपी को काबू किया है। आरोपी की पहचान संजय पुत्र सतपाल निवासी ढाणी श्यामलाल, जिला हिसार के रूप में हुई है। इस मामले में इससे पहले एक आरोपी को काबू कर उसके कब्जे से नाजायज हथियार बरामद किया जा चुका है। थाना भुना प्रभारी उपनिरीक्षक ओमप्रकाश ने बताया कि 2 दिसंबर 2025 को गश्त व चेकिंग के दौरान भुना क्षेत्र में एक युवक को शक के आधार पर काबू किया गया था, जिसके कब्जे से एक नाजायज पिस्तौल 32 बोर व एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ था। आरोपी की पहचान प्रवीन कुमार पुत्र रामकिशन निवासी मॉडल टाउन भूना के रूप में हुई थी।

छात्राओं ने सीखी आत्मरक्षा की तकनीक

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिरसा

सिरसा। छात्राएं आत्मरक्षा के गुर सीखते हुए।

राजकीय महिला महाविद्यालय, सिरसा में जारी साप्ताहिक सेल्फ डिफेंस कार्यशाला के दूसरे दिन छात्राओं ने आत्मरक्षा की विशिष्ट एवं प्रभावी तकनीक सीखी। कॉलेज के प्रेस प्रवक्ता डॉ. कपिल सैनी ने बताया कि कार्यशाला की प्रशिक्षक अनिता सैनी ने छात्राओं को पंच मारकर आत्मरक्षा, हमले की स्थिति में संतुलन बनाए रखने, सही दूरी का आकलन करने तथा आत्मविश्वास के साथ प्रतिक्रिया देने की व्यवहारिक जानकारी दी। प्रशिक्षक ने बताया कि पंच तकनीक का सही उपयोग आत्मरक्षा में अत्यंत उपयोगी होता है, बशर्ते उसका अभ्यास सही मुद्रा, समय और दिशा के साथ किया जाए। सत्र के दौरान छात्राओं ने उत्साहपूर्वक अभ्यास में भाग लिया और वास्तविक जीवन की परिस्थितियों पर आधारित अभ्यास किए। वहीं महिला प्रकोष्ठ के ही तत्वावधान में चल रही ज्वेलरी मेकिंग कार्यशाला के तहत तीसरे दिन छात्राओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए आभूषण बनाने के बारे में प्रशिक्षक रिया ने विभिन्न प्रकार के आभूषण बनाने की कला सीखाई। उन्होंने छात्राओं को स्वयं हस्तकला को प्रोत्साहित करने के गुण भी सिखाए। महाविद्यालय प्रशासन ने इस पहल को छात्राओं के सुरक्षा, सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। इस अवसर पर महाविद्यालय की सहायक प्रोफेसर रुपिंद्र कौर, निर्मला देवी, मीनू गर्ग, रितिका, किरणबाला,के अतिरिक्त शैक्षणिक व गैर शैक्षणिक स्टाफ सदस्य भी मौजूद थे।

जी राम जी से ग्रामीण श्रमिकों को मिलेगा अधिक रोजगार : बराला

हरिभूमि न्यूज ⏭ टोहाना

राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने शनिवार को गांव धारसुल, इंदाछोई, लहरियां और रहनखेड़ी में जिला परिषद द्वारा आयोजित कार्यक्रम के दौरान वीबी जीरामजी योजना के अंतर्गत श्रमिकों से सीधा संवाद किया।

इस अवसर पर उन्होंने श्रमिकों को योजना की विस्तृत जानकारी देते हुए इसके लाभों से अवगत कराया और इसे श्रमिकों तथा ग्रामीण विकास के लिए एक महत्वपूर्ण और दूरगामी योजना बताया। राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने कहा कि विकसित भारत-रोजगार एवं आजीविका गारंटी मिशन (ग्रामीण) यानी वीबी-जी रामजी योजना के तहत श्रमिकों को काम करने के अधिक अवसर उपलब्ध होंगे, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के साधनों में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। उन्होंने कहा कि इस योजना में राज्यों की हिस्सेदारी भी सुनिश्चित की गई है, ताकि रोजगार सृजन के साथ-साथ कार्यों में पारदर्शिता और जवाबदेही बनी रहे। यह योजना ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाएगी। बराला ने कहा कि विकसित भारत रोजगार और आजीविका गारंटी मिशन (ग्रामीण) केंद्र सरकार की एक दूरदर्शी और ऐतिहासिक पहल है, जो ग्रामीण भारत को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी। यह मिशन ग्रामीण युवाओं, महिलाओं, किसानों और कमजोर वर्गों को स्थायी रोजगार, सुनिश्चित आय और सम्मानजनक जीवन से जोड़ने का मजबूत आधार बनेगा। यह प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत 2047 के संकल्प को धरातल पर उतारने का प्रभावी माध्यम है।

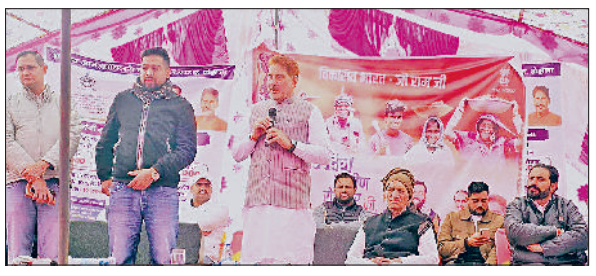

टोहाना। धारसूल में कार्यक्रम को संबोधित करते सांसद सुभाष बराला।

कार्यक्रम पुल निर्माण से सिंचाई की सुविधा मिलेगी और आवागमन भी सुचारू होगा

क्षेत्र में आधारभूत संरचना सुदृढ़ होने के साथ-साथ नागरिक सुविधाओं का होगा विस्तार

■ फतेहाबाद डिस्ट्रिब्यूट्री ब्रिज आरडी-89380 का विधिवत उद्घाटन किया

सांसद बराला ने किया दो करोड़ की विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन

हरिभूमि न्यूज ⏭ टोहाना।

राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने शनिवार को टोहाना विधानसभा क्षेत्र के गांव धारसुल, लहरियां एवं इंदाछोई में करोड़ों रुपये की लागत से पूर्ण हुई एवं प्रस्तावित विभिन्न विकास परियोजनाओं का शिलान्यास एवं उद्घाटन किया। इन विकास कार्यों से क्षेत्र में आधारभूत संरचना सुदृढ़ होने के साथ-साथ नागरिक सुविधाओं का विस्तार होगा। सांसद बराला ने सिंचाई विभाग की फतेहाबाद डिस्ट्रिब्यूट्री ब्रिज आरडी-89380 का विधिवत उद्घाटन किया। इस पुल के निर्माण से क्षेत्र के किसानों को सिंचाई व्यवस्था में सुविधा मिलेगी तथा आवागमन सुचारू होने से कृषि गतिविधियों एवं ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती प्राप्त होगी। गांव इंदाछोई में पंचायती राज विभाग की एक करोड़ 85 लाख 90 हजार रुपये की विभिन्न योजनाओं के उद्घाटन किए वहीं कम्युनिटी सेंटर का भी शिलान्यास किया। इसके साथ ही उन्होंने खेल स्टेडियम, महिला सशक्तिकरण केंद्र भवन, स्वर्ग आश्रम के सौंदर्यीकरण कार्य, एक खेत के रास्ते सहित तीन गलियों के निर्माण कार्य, ग्रामीण लाइब्रेरी, राजकीय प्राथमिक विद्यालय में शेड, शीतला माता मंदिर के समीप शेड तथा महिला चौपाल विश्राम गृह के सौंदर्यीकरण कार्य का उद्घाटन किया। इन परियोजनाओं के माध्यम से ग्रामीणों को सामाजिक, शैक्षणिक, खेलकूद एवं सामुदायिक गतिविधियों के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद सुभाष बराला ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार एवं मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार गांवों के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता ग्रामीण क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं का विस्तार कर आमजन के जीवन स्तर को ऊंचा उठाना है।

टोहाना। विकास कार्यों का उद्घाटन व शिलान्यास करते सांसद सुभाष बराला।

युवा खेलों के प्रति प्रोत्साहित होंगे

उन्होंने कहा कि खेल स्टेडियम से युवाओं को खेलों के प्रति प्रोत्साहन मिलेगा और वे सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ेंगे। वहीं, लाइब्रेरी एवं शैक्षणिक सुविधाएं विद्यार्थियों के बौद्धिक विकास में सहायक सिद्ध होंगी। महिला सशक्तिकरण केंद्र एवं महिला चौपाल से महिलाओं को सामाजिक एवं आर्थिक रूप से सशक्त बनाने में सहायता मिलेगी। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी विकास कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप पूर्ण किए जाएं।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक,रविवार 18 जनवरी 2026

इन दिनों पूरी दुनिया में जेन जी की काफी चर्चा हो रही है। बिल्कुल युवा इस पीढ़ी का चीजों को देखने का, जीवन को जीने का अलग अंदाज है। ये हर तरह के दबाव, तनाव और बंदिशों से मुक्त होकर जीने के कायल हैं। निकट भविष्य में इनकी जीवनशैली, फैशन सेंस और उनके वर्क पैटर्न में कई बदलाव देखने को मिलेंगे।

कवर स्टोरी
शिखर चंद जैन

आने वाले दिनों में बदल जाएगी जेन जी की लाइफस्टाइल

जेन जी का जिक्र आते ही उत्साह-उमंग से भरी युवा पीढ़ी की छवि मन में उभरती है। लेकिन कई मायने में यह जेनरेशन बहुत समझदार, व्यावहारिक और जीवन को पूरी तरह जीने में यकीन करती है। आने वाले दिनों में इनकी जीवनशैली, फैशन और कार्यशैली में कुछ नए बदलाव दिखेंगे।

कूल लाइफस्टाइल को महत्वः जेन जी के युवाओं का इंटेंशनल लिविंग पर जोर रहेगा। डिजिटल शोर से दूर रहने के लिए जेन जी, पुरानी आदतों जैसे हाथ से पत्र लिखना और शांतिपूर्ण व्यक्तिगत स्थान बनाने की ओर झुकाव दिखाएगी। वर्क कल्चर भी इस तरह बदलेगा कि वे अब केवल सैलरी नहीं बल्कि मेंटल हेल्थ, फ्लेक्सिबल वर्क और अपने वैल्यूज के साथ मैच करने वाले काम को प्राथमिकता देंगे।

सबसे जरूरी हेल्थ-वेलनेसः बढ़ती मानसिक बीमारियों के बीच जेन जी के युवा फिजिकल से ज्यादा मेंटल हेल्थ को लेकर अवेयर रहेंगे। कुछ अध्ययन साबित करते हैं कि 92 प्रतिशत युवा कार्यस्थल और स्कूलों में मानसिक स्वास्थ्य पर खुलकर बात करना चाहेंगे। युवा ऐसे भोजन और पेय पदार्थों की मांग करेंगे, जो न केवल स्वाद दें, बल्कि तनाव कम करने और ब्रेन हेल्थ मेंटेन करने में मदद करें। योग के साथ-साथ 'ब्रीदिंग टेक्नीक' (सांस लेने की तकनीक) तनाव प्रबंधन के लिए एक बड़ा ट्रेंड बनेगा।

टेक्नोफैशन का ट्रेंडः जल्द ही 'व्हाइट लग्जरी' (शांत विलासिता) का दौर खत्म होगा और जेन जी बोल्ड कलर्स, चमकदार एक्सेसरीज और लेयर्ड ड्रेसेस को अपनाएंगे। युवाओं में विंटेज ब्लेजर, ओवरसाइज्ड टर्टलनेक और मैसेंजर बैग जैसे 'राइटर लुक' का चलन बढ़ेगा। ड्रेस बनाने में नए मैटीरियल आजमाए जाएंगे। जैसे प्लांट बेस्ड फैब्रिक्स और स्मार्ट टेक हुडीज। 'स्मार्ट टेक हुडी' एक ऐसी ड्रेस है, जिसमें नई तकनीक या स्मार्ट फैब्रिक को आराम और कार्यक्षमता बढ़ाने के लिए शामिल किया जाता है, जो इसे सामान्य हुडी से अलग बनाता है। इन हुडीज में स्वास्थ्य की निगरानी करने वाले सेंसर या यात्रा के अनुकूल कई पॉकेट जैसी सुविधाएं हो सकती हैं। जैसे वियरेबल टेक्नोलॉजी के उपयोग से कुछ हाई-एंड स्मार्ट हुडीज में ऐसे सेंसर लगे होते हैं, जो बायोमेट्रिक और फिजिकल डेटा जैसे हृदय गति और तापमान को ट्रैक कर सकते हैं। ये अकसर ब्लूटूथ के माध्यम से स्मार्टफोन एप से जुड़ते हैं, जिससे उपयोगकर्ता अपनी फिटनेस मेट्रिक्स की निगरानी कर सकते हैं। या फिर टेक्निकल फैब्रिक्स इस्तेमाल होंगे। जैसे कई 'टेक' हुडीज फाइन फैब्रिक से बनाई जाती हैं, जिनमें नमी सोखने, दुर्गंध-रोधी और दाग-धब्बे हटाने जैसी विशेषताएं होती हैं। ये विशेष रूप से एथलीटों और यात्रियों के लिए डिजाइन की जाती हैं ताकि उन्हें पूरे दिन आरामदायक रखा जा सके। कुछ हुडीज को 'स्मार्ट' इसलिए कहा जाता है क्योंकि उनमें कई विशेष रूप से डिजाइन की गई पॉकेट्स होती हैं। कुछ कंपनियों की ट्रैवल हुडीज में 15 से अधिक पॉकेट्स होती हैं, जिनमें पासपोर्ट, पावर बैंक, धूप का चश्मा और पानी की बोतल रखने के लिए पॉकेट्स होते हैं।

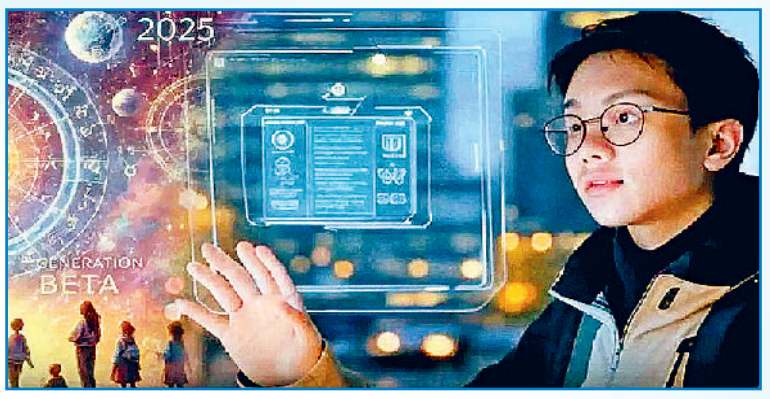

प्रोफेशन में मेंटल पीस को प्रायोरिटीः आने वाले दिनों में जेन जी के लिए वर्क लाइफ बैलेंस और मानसिक स्वास्थ्य लाभ सर्वोच्च प्राथमिकता पर होंगे। लगभग 61 प्रतिशत जेन जी ऐसी नौकरी छोड़ने को तैयार होंगे, जो बेहतर मानसिक स्वास्थ्य सुविधाएं नहीं देती हैं। केवल 23 प्रतिशत जेन जी ही पूरी तरह से रिमोट काम करना चाहेंगे, जबकि अधिकांश हाइब्रिड या ऑफिस में सहयोग को प्राथमिकता देंगे। एक अध्ययन के मुताबिक लगभग 44 प्रतिशत जेन जी उन नौकरी प्रस्तावों को अस्वीकार कर सकते हैं, जो उनके व्यक्तिगत मूल्यों या नैतिकता के खिलाफ होंगे। यह पीढ़ी जॉब सिक्योरिटी के लिए ब्लू-कॉलर जॉब्स में रुचि लेगी।

टेक्नोलॉजी का पॉजिटिव यूजः आने वाले दिनों में जेन जी ज्यादा जिम्मेदारी और समझ से तकनीक के उपयोग की तैयारी में है। जेन जी के युवा एआई को केवल एक टूल नहीं, बल्कि एक रचनात्मक साथी के रूप में देखेंगे। वे एआई द्वारा तैयार की गई तस्वीरों और वीडियो में पारदर्शिता की मांग करेंगे। टेक्नोलॉजी के यूज से खरीदारी का तरीका भी बदलेगा। *

आ चुकी है नई पीढ़ी जेनरेशन बीटा

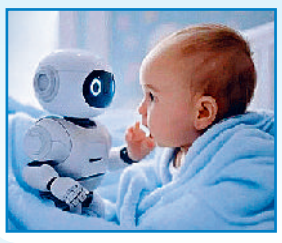

जेन जी के बारे में जानने के साथ यह जानना भी दिलचस्प है कि नेक्स्ट जनरेशन का उदय हो चुका है। 2025 से 2039 के बीच पैदा होने वाले बच्चों को 'जनरेशन बीटा' कहा जाएगा, जो जेन जी और जेन अल्फा के बाद की सबसे एडवांस जेनरेशन होगी। यह जेनरेशन तो एआई के साथ खेलते-जीते बड़ी होगी। उनका भविष्य आगामी वर्षों में होने वाली टेक्नो डेवलपमेंट पर डिपेंड करेगा।

डीपफेक के मिसयूज से आपको रहना होगा कॉन्शस

तकनीक ने हमारे जीवन को जितना सुविधाजनक बनाया है, उसके दुरुपयोग ने कई खतरे भी बढ़ाए हैं। डीपफेक तकनीक का मिसयूज भी इन खतरों में से एक है। इससे बचने के लिए हम सभी का कॉन्शस रहकर तकनीक का यूज करना जरूरी हो गया है।

अवेयरनेस
डॉ. मोनिका शर्मा

किसी के भी चेहरे को लेकर एआई जनरेटेड कंटेंट बनाने की नकारात्मक प्रवृत्ति अब खूब देखने को मिल रही है। तकनीक के दुरुपयोग की यह मानसिकता व्यक्तिगत रूप से किसी इंसान की साख खराब करने के साथ ही आपराधिक घटनाओं का भी कारण बन रही है।

किए जा रहे हैं रोकने के प्रयासः डीपफेक के मिसयूज पर लगाम लगाने के लिए पिछले महीने लोकसभा में रेग्युलेशन बिल पेश किया गया। इस बिल का उद्देश्य लोगों के चेहरे का गलत तरीके से इस्तेमाल करने पर लगाम लगाना है। इस बिल में किसी भी एआई जेनरेटेड सामग्री को इंटरनेट पर डालने से पहले उस व्यक्ति की अनुमति लेनी जरूरी होगी। साथ ही एआई जेनरेटेड कंटेंट के गलत इस्तेमाल को लेकर जुर्माने और सजा का प्रावधान किया जाएगा। तकनीक के गलत इस्तेमाल को रोकने के लिए अत्याधुनिक टेक्निकल टूल्स और कानून के साथ सेल्फ रेगुलेशन भी जरूरी है।

तकनीक का करते हैं मिसयूजः डीपफेक टेक्नीक के जरिए किसी फोटो में दूसरे का चेहरा लगाया जा सकता है। किसी वीडियो में दूसरी आवाज सेट कर दी जाती है। फेक चेहरा लगाने के बावजूद बिल्कुल असली लगने वाली इस एडिटिंग को मशीन लर्निंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की मदद से अंजाम दिया जाता है। रीयल लगने वाले ऐसे फेक वीडियो और ऑडियो को विशेष सॉफ्टवेयर की मदद से तैयार करने का खेल किसी भी इंसान की छवि बिगाड़ सकता है। इसमें ना केवल तस्वीर बिल्कुल असली लगती है, बल्कि वॉयस क्लोनिंग के माध्यम से आवाज भी हूबहू कॉपी की जा सकती है। इस तरह डीपफेक तकनीक के जरिए तैयार किए गए फेक कंटेंट का इस्तेमाल फाइनेंशियल और दूसरे कई तरह की धोखाधड़ी, सेलिब्रिटी पोर्नोग्राफी, पर्सनल या सोशल दुष्प्रचार, पहचान की चोरी जैसे गलत उद्देश्यों के लिए किए जाने के मामले सामने आए हैं। फोटो मॉर्फिंग कर एकदम रीयल लगने वाली अश्लील तस्वीरें बनाने से लेकर वीडियो में किसी और की आवाज कॉपी कर कुप्रचार करने तक अनगिनत खतरे हमारे सामने हैं। ऐसे में डीपफेक तकनीक से जुड़े खतरों का सामना करने के लिए आम यूजर्स में आत्मनियमन का भाव जरूरी है। तस्वीर हो या वीडियो, अपने जीवन का हर पहलू सोशल मीडिया में साझा करने से पहले सोचना जरूरी है। शेयर की जा रही सामग्री के बढ़ते दुरुपयोग पर लगाम लगाने में खुद यूजर्स की समझदारी भी मददगार बन सकती है।

कंटेंट शेयरिंग में समझदारीः किसी जमाने में पब्लिक प्लेटफॉर्म्स पर केवल चर्चित चेहरों के फोटो और वीडियो ही मौजूद होते थे। फिल्म, राजनीति या खेल की दुनिया के जाने-माने लोगों की आवाज या तस्वीरें ही वर्चुअल मंचों पर मिला करती थीं। स्मार्ट गैजेट्स की बढ़ती दखल के मौजूदा दौर में स्थितियां बदल गई हैं। सोशल मीडिया के बहुत से प्लेटफॉर्म्स पर चर्चित चेहरों के ही नहीं आम लोगों के भी आडियो, वीडियो और फोटोज मौजूद होते हैं। ऐसे में आम लोग भी तकनीक का दुरुपयोग करने वाले लोगों की विकृत मानसिकता के शिकार बन रहे हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीक ने आम और खास हर इंसान की चिंताएं भी बढ़ा दी हैं। आए दिन एआई टेक्निक के दुरुपयोग के मामले सामने आ रहे हैं। न केवल डीपफेक वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल किए जा रहे हैं बल्कि नेगेटिव न्यूज, ऑडियो-वीडियो और अश्लील तस्वीरें फैलाने का काम भी किया जा रहा है। 2019 एआई फर्म डीपट्रेस ने इंटरनेट पर 15 हजार डीपफेक वीडियो का पता लगाया था। जिनमें 96 फीसदी पोर्नोग्राफी से जुड़े थे। समझना मुश्किल नहीं कि बीते छह-सात वर्ष में तकनीकी एडवांसमेंट भी बढ़ा है और आम लोगों द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर साझा किया जा रहा कंटेंट भी। ऐसे में फेक कंटेंट तैयार करने के मामलों में भी इजाफा हुआ है। जरूरी है कि यूजर पर्सनल कंटेंट शेयर करने में सतर्कता बरते। *

गजल
कृष्ण बिहारी

तुम्हारी सोहबत में

बड़ी खुशबू मिली हमको तुम्हारी सोहबत में,
जड़ों से जुड़ गए देखो तुम्हारी सोहबत में।

मेरे कदमों की आहट गली भी जानती है,
उसे भी मिल रही शोहरत तुम्हारी सोहबत में।

सफर में मुश्किलें तो थीं मगर था हौसला भी,
सितारों तक पहुंच पाया तुम्हारी सोहबत में।

सादगी में कब ढंका है रूप का दरिया मगर,
आइने में उतर आया तुम्हारी सोहबत में।

जमाना भी कहां जाने ये किसकी ताकत है,
हिमालय तक उठा लाया तुम्हारी सोहबत में।

तपी थी दोपहर फिर भी मुकद्दर से मिली हमको
मुसीबत में घनी छाया तुम्हारी सोहबत में।

व्यंग्य / अशोक वाधवानी

जीने के लिए खाना या खाने के लिए जीना

आमूमन मनुष्य कोई काम-धंधा करे या फिर नौकरी, यह कहना नहीं भूलता कि 'पापी पेट के लिए ये सब करना पड़ता है!' जबकि सच्चाई यह है कि पेट के लिए मनुष्य मुश्किल से 20-25 प्रतिशत ही खर्च करता है। बाकी आवश्यकताओं पर पेट से ज्यादा खर्च करना पड़ता है। ये और बात है कि इस तथ्य को लोग अपनी सहूलियत अनुसार सिरे से नकार देते हैं। खाने-पीने वालों की दो प्रजातियां पाई जाती हैं। पहले, जीवन जीने के लिए जितना जरूरी है, उतना ही नाप-तौल कर, ठोक-बजाकर खाते हैं। दूसरे, जो जी में आए, जब जी चाहे, जैसा भी मिले सहर्ष स्वीकारते हैं। शान से बताते हैं कि वे 'खाते-पीते' परिवार वाले हैं। उनका तर्क होता है कि जब तक जान है, हर तरह के खाद्य पदार्थों को चखना चाहिए। ऐसे लोग जिस तरह से हर खाने-पीने की चीजों को पेट के सुपुर्द करते हैं, उससे लगता है कि धरती पर खाने-पीने के लिए ही जन्मे हैं। अर्थात इन लोगों को दिन-रात खाने-पीने की ही चिंता सताती है। जीने के लिए जितना जरूरी है उतना खाने-पीने वाले लोग भी, कभी-कभार आकर्षक व्यंजनों को देखकर 'पिघल' जाते हैं। ऐसे लोग विवाह समारोह आदि जगहों पर इस कठोर नियम को अपनी सुविधा के लिए 'शिथिल' कर देते हैं, जिस तरह उड़ते पतंग को इच्छानुसार ढील दी जाती है। कई 'चटोरे-चटोरियां' पेट को प्रयोगशाला मानकर, हर तरह के सलाद, नमकीन, खट्टा, मीठा, तीखा, फीका, फल। सब कुछ एक के बाद एक पेट को अर्पण-समर्पण करते जाते हैं।

कुछ लोगों का नियम होता है कि सांझ ढलने के बाद दही, छाछ छूते नहीं हैं। अचार खाना तो दूर की बात है। ऐसे लोग इन बातों को नजरअंदाज करके इन जगहों पर ऐसी चीजों का भी स्वादानुसार सेवन करते हैं। मधुमेह वाले मजबूरन सिर्फ फीकी चाय पीना अनिवार्य समझते हैं। या फिर स्वाद के लिए 'शुगर फ्री' गोलियां डालकर पीते हैं। ऐसे लोग भी यहां आकर मीठी चीजें बड़े चाव से चखते हैं। किसी ने इस बाबत रोका-टोका तो खिसियाते हैं। खुलकर, बहाना बनाते कहते हैं, 'फलां व्यक्ति ने आग्रहपूर्वक जबरदस्ती प्लेट में डाल दिया है, वर्ना आप तो जानते ही हैं कि ये सब वर्जित है मेरे लिए।'

कइयों की दृष्टि में फल खाने का सही समय सुबह खाली पेट है। ज्यादा से ज्यादा नाश्ते या दोपहर के भोजन के पहले/बाद में फल खाना स्वास्थ्य के लिए हितकारक बताते हैं। ऐसों में से कुछ को रात के समारोह में तरह-तरह के फल खाते हुए देख सकते हैं। समारोह में घुसते ही कुछ लोग सारे स्टॉल पर नजरें दौड़ाकर सुनिश्चित करते हैं कि कौन-सा खाद्य पदार्थ 'टेस्टी' होगा। देखने के बाद तय करते हैं कि पहले, बीच में और अंत में क्या खाना श्रेयस्कर होगा?

जल्दी पहुंचने वाले कुछ रायता पहले ही खा लेते हैं। उन्हें पता होता है कि थोड़ी देर कर दी तो रायते को 'पतला' होने से कोई रोक नहीं सकता है। ऐसे समारोहों में पानी पूरी के स्टाल पर भारी भीड़ देखने को मिलती है। ऐसा प्रतीत होता है कि पानी पूरी दुनिया में अब कहीं और नहीं मिलेगा। बच्चों से लेकर बड़े बुजुर्ग, स्त्री-पुरुष सभी हाथ में 'कटोरी' लिए हुए छीना-झपटी करते हुए दिखते हैं। कुछ अपनी बारी की प्रतीक्षा बड़ी बेसब्री से करते रहते हैं।

ऐसे ही एक कार्यक्रम में मुझसे चटोरेमल टकरा गए। उन्होंने अपने खाद्य ज्ञान की कई बातें बताईं। जैसे वे सबसे पहले आइसक्रीम खाते हैं। उसके बाद हल्का-फुल्का नाश्ता करके फिर आइसक्रीम खाना अपना कर्तव्य समझते हैं। भोजन बाद 'कार्यक्रम' समाप्ति की घोषणा अंतिम बार आइसक्रीम खाकर ही करते हैं। उन्होंने एक पते की बात बताई कि शौकीन होने पर भी आइसक्रीम कभी खरीदकर खाना जरूरी नहीं समझा।

मानव के रूप में कोई महामानव भी मिल सकते हैं जो कि पेट को 'पीड़ा' पहुंचाना नहीं चाहते हैं। इस तरह के उंगलियों पर गिने जाने वाले कुछ जापानी पद्धति 'हारा हचिबू' पर अमल करते हुए भूख से कम ही खाते हैं ताकि वे सदा चुस्त, दुरुस्त, तंदुरुस्त रहें। ऊंट के मुंह में जीरा समान ऐसे लोगों की थाली में सिर्फ दाल और चावल दिखता है। वे सब्जी तक नहीं खाते। ये महानुभाव दाल, चावल में ही संतुष्ट होते हैं। हालांकि ऐसी प्रजाति के लोग कम ही पाए जाते हैं। *

विज्ञापन...

इंजेक्शन की नवीन तकनीक से स्पाइन रोगों का उपचार

सर्जरी के बिना ही सिर्फ इंजेक्शन तकनीक के जरिये स्पाइन (रीढ़) रोगों का बेहतर और विश्वसनीय उपचार विश्वविख्यात डॉ. प्रमोद पहारिया द्वारा ग्वालियर में हो रहा है। आईये जानते हैं इस तकनीक के असाधारण लाभ–

केन्द्रीय मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया जी से स्पाइन के क्षेत्र में विशेष योगदान के लिए डॉ प्रमोद पहारिया अवार्ड प्राप्त करते हुए।

इस ट्रीटमेंट की कितनी बार आवश्यकता होती है?
सिर्फ एक ही बार पर्याप्त है।

सर्जरी की अपेक्षा इस तकनीक के क्या फायदे हैं?
सर्जरी के दौरान पैरालिसिस, पैलाप्लेजिया, ब्लैडर एवं बोवेल के कंट्रोल में क्षति, पैरों में कमजोरी, इंफेक्शन, इंप्लांट फैलियर जैसे जो कॉम्पिलकेशन देखने को मिलते हैं, वैसा इसमें खतरा नहीं है।

किन मरीजों का इलाज इस तकनीक से संभव है?
डिस्क प्रोलेप्स जैसे L4-L5, L5-S1, साइटिका, लंबर या सर्वाइकल रेडीक्युलोपैथी, डिजरनेरेटिव डिस्क, फैसिट जॉइन्ट सिंड्रोम, माइलोपैथी, लंबर कैनाल स्टेनोसिस, स्पॉन्डिलाइटिस आदि में कारगर है।

जो रोगी ऑपरेशन करवा चुके हैं उसमें भी यह कारगर है ?
यदि ऑपरेशन के बाद दबाव बना रहता या दोबारा दबाव आ जाता है तो उसमें भी यह तकनीकी कारगर है।

किस उम्र के लिये यह चिकित्सा है?
15 से 85 वर्ष के मरीजों के लिये।

एक डिस्क लेवल के ट्रीटमेंट में कितना खर्च आता है?
स्पाइन सर्जरी में जहां 3 लाख तक का खर्चा आता है वहीं यह उपचार मात्र 20000 तक में हो जाता है। विदेशों में इसका खर्च 50 गुना तक है।

कितने समय में रोगी घर जा सकता है?
एक घण्टे बाद ही घर जा सकता है। जबकि सर्जरी में 3 माह तक रोगी को अपने काम से अलग रहकर आर्थिक क्षति उठाना पड़ती है।

इस ट्रीटमेंट की सफलता की दर कितनी है?
90 से 95% सफल है। अब तक लगभग 7,500 मरीज हमेशा के लिए ठीक हो चुके हैं। यह इंजेक्शन प्रॉब्लम साइट में लगाया जाता है।

इस ट्रीटमेंट का असर कब तक रहता है?
इसमें जड़ से इलाज होता है।

क्या यह स्टेरॉइड इंजेक्शन है?
नहीं, यह एक भ्रम है। यह एक सेफ अमेरिकन प्रोसीजर है, जो एक **विशेष मशीन** की निगरानी में किया जाता है।

NBC@.

डॉ. प्रमोद पहारिया
स्पाइन सर्जन
MBBS, D.Ortho, DNB, M.Ch. (Ortho)
पूर्व सर्जन- सर गंगाराम हॉस्पिटल एवं इंडियन स्पाइनल इंज्यूरी सेन्टर, नई दिल्ली

देहली हॉस्पीटल, ओल्ड श्री टॉकीज, बारादरी, मुरार, ग्वालियर (म.प्र.)
समयः दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक
व्हाट्सएप पर रिपोर्ट भेजकर ही संपर्क करें
सम्पर्क – 7354858466 | www.nonsurgicalspinecentre.in

लघुकथा / सिराज अहमद

उड़ान

काफी देर तक होमवर्क करते हुए सोहन बहुत थक और ऊब चुका था। मन बोझिल हुआ तो उसने कॉपी का पिछला पन्ना फाड़ा और अपनी कल्पनाओं को कागज पर उकेरने लगा। देखते ही देखते उसने उसमें रंग भरे और एक प्यारा सा कागज का हवाई जहाज तैयार कर लिया। जैसे ही उसने जहाज उड़ाने के लिए हाथ ऊपर उठाया, तभी कमरे में उसके पापा ने प्रवेश किया। हाथों में खिलौना देख पापा का पारा चढ़ गया। उन्होंने सोहन को जोर से डांटा और होमवर्क पूरा करने का आदेश देकर चले गए। सोहन सहम गया। थके हुए शरीर और बेमन से उसने अपना बचा हुआ होमवर्क पूरा किया। रात होने पर सोहन को खाना खिलाकर सुला दिया गया, क्योंकि सुबह स्कूल जाने के लिए जल्दी उठना था। देर रात जब पापा कमरे में आए, तो उनकी नजर सोहन के बेड के नीचे पड़े उसी कागज के हवाई जहाज पर पड़ी। उन्होंने झुककर उसे उठाया और गौर से देखा, तो उनकी आंखें सुखद आश्चर्य से भर गईं। वो महज एक खिलौना नहीं, कला का एक सुंदर नमूना था। एक सादे से पन्ने में सोहन ने रचनात्मकता के रंग भर दिए थे। उन्हें लगा कि यह केवल एक खिलौना नहीं, नन्हे कलाकार की उड़ान है। *

आपको रोमांच से भर देगी इन हिल स्टेशंस की सैर

गुलमर्ग

गर्मी के मौसम में हिल स्टेशंस की सैर तो आपने कई बार की होगी। लेकिन अगर सर्दियों मे चिल्ड एडवेंचर फील करना चाहते हैं तो देश के अलग-अलग स्थानों में स्थित किसी हिल स्टेशन का रुख कर सकते हैं। ऐसे ही सात बेहद खूबसूरत हिल स्टेशनों के बारे में यहां बता रहे हैं।

टूरिस्ट डेस्टिनेशंस
समीर चौधरी

आमतौर पर गर्मी के मौसम में राहत पाने के लिए ही लोग हिल स्टेशंस की यात्रा करना पसंद करते हैं। लेकिन कुछ लोग सर्दी के मौसम में बर्फबारी का रोमांच महसूस करने के लिए भी हिल स्टेशनों की सैर पर जाना पसंद करते हैं। ऐसे एडवेंचर लवर टूरिस्ट्स के लिए अपने देश में कई अमेजिंग हिल स्टेशंस हैं।

नैनीताल

ऊटी

दार्जिलिंग

कुर्ग (कोडगु)

पहाड़ों की रानी मसूरी: उत्तराखंड की राजधानी देहरादून से लगभग 26 किमी. के फासले पर गढ़वाल हिमालय पर्वत श्रंखला की जड़ में स्थित है खूबसूरत हिल स्टेशन मसूरी। मसूरी को 'पहाड़ों की रानी' भी कहा जाता है। यह समुद्र की सतह से तकरीबन 6,565 फीट की ऊंचाई पर है। जाड़ों में यहां का मौसम ठंडा और आसमान में कुछ बादल छाए रहते हैं। दिसंबर से फरवरी तक बर्फबारी होती है, हालांकि हाल के वर्षों में बर्फबारी कम होने लगी है। मसूरी में बर्फबारी के अतिरिक्त भी देखने को बहुत कुछ है, जैसे- कैमल बैक रोड, लाल टिब्बा, गन हिल, कैंपटी फाल्स, लेक मिस्ट, मसूरी झील, भट्टा फाल्स आदि। आप यहां यमुना घाटी में स्थित भद्रराज मंदिर के दर्शन भी कर सकते हैं, जोकि श्री कृष्ण के भाई बलराम को समर्पित मंदिर है। इसके पास में ही सैन्य छावनी लैंढोर, बार्लेगेज, झरीपानी कस्बे जैसी जगहें हैं, जो 'विस्तृत मसूरी' का ही हिस्सा माने जाते हैं।

धुंध-कोहरे में छिपा नैनीताल: उत्तराखंड के ही कुमाऊं क्षेत्र में एक अन्य खूबसूरत हिल स्टेशन है नैनीताल, जोकि देहरादून से 276 किमी के फासले पर है। नैनीताल जाड़ों में थोड़ा सूखा और गर्मियों में मानसून की वजह से काफी गीला रहता है। यहां नवंबर के मध्य से मार्च के मध्य तक जाड़े का मौसम रहता है। दिसंबर-जनवरी में यहां धुंध और कोहरा छाया रहना आम बात है। नैनीताल में कई दर्शनीय स्थल हैं, जैसे- नैना देवी मंदिर, नैनीताल जू, जामा मस्जिद, सेंट जॉन इन द वाइल्डरनेस चर्च, इको केव गार्डंस आदि।

नीलगिरी पहाड़ियों में स्थित ऊटी: तमिलनाडु की नीलगिरी पहाड़ियों में स्थित ऊटी हिल स्टेशन भी जाड़े के मौसम में घूमने लायक स्थान है। ऊटी में दक्षिण-पश्चिम व उत्तर-पूर्व दोनों मानसूनों से भारी वर्षा होती है, जिससे यहां का तापमान कभी-भी बहुत अधिक नहीं होता है। ऊटी में आज तक रिकॉर्ड किया गया अधिकतम तापमान 29.4 डिग्री सेल्सियस है, जो 30 अप्रैल 2024 को रिकॉर्ड किया गया था। ऊटी झील के पास स्थित बोट हाउस नौका विहार का अवसर प्रदान करता है, इसलिए यह पर्यटकों के लिए आकर्षण का मुख्य केंद्र है। यहां के गवर्नमेंट बोटेनिकल गार्डन में पौधों की अनेक देशज और विदेशी प्रजातियां पाई जाती हैं। एल्क हिल की ढलान पर बने रोज गार्डन में गुलाबों की 20,000 से अधिक वैरायटी हैं। यह भारत के सबसे बड़े रोज गार्डंस में से एक है। यहां झील के किनारे ही एक डियर पार्क भी है।

फूलों की वादी गुलमर्ग: गुलमर्ग, जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में स्थित सुंदर हिल स्टेशन है, जो विख्यात पर्यटक स्थल और स्कीइंग डेस्टिनेशन है। 'फूलों की वादी' नाम से मशहूर गुलमर्ग में जाड़ों में जबरदस्त बर्फबारी होती है। गुलमर्ग एशिया के टॉप 10 स्कीइंग डेस्टिनेशंस में शामिल है। यहां अफरवत पहाड़ी की ढलान पर स्कीइंग के अतिरिक्त अन्य विंटर स्पोर्ट्स के लिए भी लोग जाते हैं। गुलमर्ग में विश्व का सबसे बड़ा इग्लू कैफे है। 2023 में यहां ग्लास इग्लू रेस्टोरेंट का भी निर्माण किया गया है।

प्राकृतिक सुंदरता का संगम दार्जिलिंग: पश्चिम बंगाल में प्राकृतिक सुंदरता व खूबसूरत चाय के बागानों से भरा-पूरा है दार्जिलिंग हिल स्टेशन। यह स्थान दार्जिलिंग हिमालयन रेलवे (टॉय ट्रेन) के लिए भी विख्यात है, जिसकी सवारी के दौरान दुनिया के तीसरे सबसे ऊंचे पर्वत कंचनजंगा का मनोरम नजारा देखने को मिलता है। यहां ऑब्जर्वेटरी हिल पर स्थित महाकाल मंदिर, टाइगर हिल, हिमालयन माउंटेनियरिंग इंस्टिट्यूट और बोटेनिक गार्डन जैसी जगहें भी पर्यटकों के लिए आकर्षण के केंद्र हैं। दार्जिलिंग तिब्बती, नेपाली और स्थानीय संस्कृति का मिश्रण है। यह हिमालयी उत्पादों का स्थानीय बाजार भी है।

भारत का स्कॉटलैंड यार्ड कूर्ग: 'स्कॉटलैंड ऑफ इंडिया' के नाम से मशहूर कर्नाटक में स्थित कूर्ग (कोडगु) अपनी शानदार प्राकृतिक सुंदरता के लिए विख्यात है, विशेषकर अपने विशाल, खुशबूदार कॉफी बागान, धुंध भरी हरी पहाड़ियों, झरनों, जैव विविधता और विशिष्ट कोडव संस्कृति के लिए। यहां शांत लैंडस्केप और एडवेंचर गतिविधियों जैसे ट्रेकिंग व रिवर राफ्टिंग का परफेक्ट संतुलन है। यहां ओमकारेश्वर मंदिर, तिब्बती नामड्रोलिंग मठ जैसे महत्वपूर्ण धार्मिक स्थल भी हैं। यहां ऐतिहासिक मदिकेरी फोर्ट भी है।

केरल का हिल स्टेशन मुन्नार: केरल का हिल स्टेशन मुन्नार अपने टी प्लांटेशन, ठंडे वातावरण, एराविकुलम नेशनल पार्क और अनामुडी चोटी जैसी प्राकृतिक रूप से सुंदर जगहों के लिए विख्यात है। पश्चिमी घाटों की पहाड़ियों में स्थित यह ब्रिटिश राज का पूर्व रिजॉर्ट, हाईकिंग के लिए भी अच्छी जगह है। यहां के झरने और वाइल्डलाइफ भी पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। *

कॉल फॉर्वर्ड स्कैम से बचें बदलें अपनी फोन सेटिंग्स

इन दिनों डिजिटल स्कैम के नए-नए तरीके सामने आते रहते हैं। इनमें से ही एक है कॉल फॉर्वर्डिंग स्कैम। इसके बारे में पता न होने पर आपका बैंक अकाउंट खाली हो सकता है। ऐसे में इस स्कैम और इससे बचने के तरीकों के बारे में आपको जरूर पता होना चाहिए।

प्रिकॉशन
वीरेंद्र बहादुर सिंह

हाल के सालों में देश में साइबर ठगी के मामलों में तेजी से बढ़ोत्तरी हो रही है। साइबर ठग नई-नई तरकीबें अपनाकर आम लोगों से लेकर अधिकारी और सेलिब्रिटीज तक को निशाना बनाकर पैसे ठग रहे हैं। ठग सिर्फ फेक लिंक या एप के जरिए ही नहीं, बल्कि मोबाइल के एक कॉमन फीचर का दुरुपयोग करके भी लोगों को फंसा रहे हैं। ठगों की इस नई चाल के सामने आने के बाद गृह मंत्रालय के अंतर्गत काम करने वाली संस्था इंडियन साइबर क्राइम कोआर्डिनेशन सेंटर ने अलर्ट जारी किया है।

समझें कॉल फॉर्वर्डिंग फीचर: इस अलर्ट में बताया गया है कि साइबर ठग मोबाइल के कॉल फॉर्वर्डिंग फीचर को हथियार के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं। इस फीचर के जरिए ठग पहले एक सामान्य कॉल या मैसेज करके ठगी की शुरुआत करते हैं। कई मामलों में ठग खुद को कूरियर कंपनी का कर्मचारी या डिलीवरी एजेंट बताकर कॉल करता है और कहता है कि आपके नाम से एक पार्सल आया है या डिलीवरी में कोई समस्या है।

विश्वास दिलाने के लिए वह एक मैसेज भी भेजता है और कहता है कि समस्या हल करने के लिए आपको एक नेक कोड डायल करना होगा। यहीं से ठगी की असली शुरुआत होती है। यह नेक कोड आमतौर पर 21, 61 या 67 से शुरू होते हैं। ठग की बातों में आकर यूजर बिना सोचे-समझे यह कोड डायल कर देते हैं, जिससे उनके फोन में कॉल फॉर्वर्डिंग एक्टिव हो जाती है। इसका मतलब यह होता है कि यूजर को आने वाली सभी कॉल किसी दूसरे नंबर पर फॉर्वर्ड होने लगती हैं।

ऐसे होता है कॉल फॉर्वर्डिंग स्कैम: संस्था के अनुसार, जब ठग इस तरह यूजर को फंसा लेते हैं तो उसके बाद यूजर को आने वाली सभी काल, स्कैमर के नंबर पर जाने लगती हैं। इसके कारण बैंक द्वारा किए जाने वाले वेरिफिकेशन कॉल, ओटीपी और अलर्ट सीधे उसके फोन पर पहुंच जाते हैं। इससे यूजर को भारी आर्थिक नुकसान होने का खतरा बढ़ जाता है।

अगर कॉल फॉर्वर्ड हो जाए: ओटीपी और वेरिफिकेशन कॉल ठग तक पहुंच जाने पर वह बैंक एकाउंट से लेकर व्हाट्सएप और टेलीग्राम जैसे सोशल मीडिया एकाउंट तक आसानी से हैक कर सकता है। कई मामलों में यूजर को तब पता चलता है, जब उसके एकाउंट से पैसे निकल चुके होते हैं या उसका सोशल मीडिया अकाउंट किसी और के कंट्रोल में चला जाता है।

रहें सावधान: इस नई तकनीकी ठगी की सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि इसमें न तो किसी लिंक पर क्लिक करने की जरूरत होती है और न ही कोई एप इंस्टॉल कराना पड़ता है। सिर्फ एक कोड डायल करने से ही यूजर बड़ी परेशानी में फंस सकता है। इसी कारण संस्था ने विशेष सतर्कता बरतने की सलाह दी है, क्योंकि आमतौर पर लोग नेक कोड को खतरनाक नहीं मानते। लेकिन अब ठगों ने इन्हें भी हथियार बना लिया है। *

मोबाइल में ऐसे बदलें सेटिंग

संस्था ने साफ कहा है कि अगर मोबाइल में काल फॉरवर्डिंग चालू होने का शक हो तो तुरंत '002' डायल करें। यह कोड सभी तरह की कॉल फार्वर्डिंग को बंद कर देता है और कॉल फिर से आपके फोन पर आने लगती हैं।

आज के समय में साइबर ठग पैसे ठगने के लिए लगातार नई तरकीबें अपना रहे हैं। ऐसे में किसी भी अनजान कॉल, डिलीवरी मैसेज या नेक कोड को बिना सोचे-समझे डायल करना भारी पड़ सकता है। इसलिए हमेशा सतर्क रहें।

हाल के महीनों से सोशल मीडिया पर एक प्यारी सी दिखने वाली डॉल 'लाबुबू' ट्रेंड कर रही है। इसकी प्यारी संरचना बच्चों को खूब लुभाती है। क्या है लाबुबू डॉल और कैसे हो गई यह इतनी पॉपुलर, आप भी जानिए।

बच्चे-बड़ों सभी को लुभाती है क्यूट मॉन्स्टर डॉल लाबुबू

रोचक
शिखर चंद जैन

हाल के दिनों में लाबुबू डॉल ने पूरी दुनिया के करोड़ों बच्चों और बड़ों के दिलों में अपनी जगह बना ली है। इस डॉल ने जिस तेजी से लोकप्रियता अर्जित की है, उससे दुनिया भर के खिलौना विशेषज्ञ हैरान हैं। लाबुबू सिर्फ एक डॉल नहीं है बल्कि यह रहस्य और आकर्षण से भरपूर एक किरदार है, जो दुनिया भर के लोगों को अपनी तरफ आकर्षित कर रही है।

नॉर्डिक पौराणिक कथाओं से प्रेरित: लाबुबू डॉल पहली बार 2015 में हांगकांग के आर्टिस्ट कासिंग लुंग की डॉल सीरीज 'द मॉन्स्टर्स' के एक भाग के रूप में सामने आई थी। कासिंग को इसकी प्रेरणा नॉर्डिक पौराणिक लोक कथाओं से मिली थी। नॉर्डिक लोककथाओं के कई विचित्र और अनोखे पात्रों को कासिंग ने 'द मॉन्स्टर्स' सीरीज के अंतर्गत प्रस्तुत किया। इनमें जिमोमो, टायकोको, स्पूकी, लाबुबू, पाटो आदि शामिल हैं। इन सबमें से अपने नुकीले कानों, चुटीली मुस्कान और तीखे दांतों के साथ लाबुबू डॉल इन दिनों सबसे ज्यादा पसंद की जा रही है। इसके क्रिएटर कासिंग लुंग ने भी नहीं सोचा होगा कि 10 साल बाद उनके बनाए डॉल की मांग और लोकप्रियता इतनी बढ़ जाएगी।

वास्तव में क्या है लाबुबू: लाबुबू एक शरारती स्वभाव वाला पात्र है। मूल नॉर्डिक कहानियों के अनुसार, लाबुबू असल में एक फीमेल कैरेक्टर है। वह अपने ऊंचे-नुकीले कानों, नौ नुकीले दांतों और अपनी चंचल अभिव्यक्ति से आसानी से पहचानी जा सकती है। कई अन्य काल्पनिक जीवों के विपरीत, लाबुबू की कोई पूंछ नहीं होती, जो उसे एक अलग पहचान देती है। पिछले कुछ वर्षों में, लाबुबू को 300 से ज्यादा रूपों में रिलीज किया गया है। प्रत्येक रूप अलग-अलग रंगों, आकारों और थीम के साथ सामने आए हैं। लाबुबू के हर नए संस्करण खूब पसंद किए जाते हैं।

कासिंग लुंग-पॉप मार्ट की साझेदारी: 2019 में कासिंग लुंग ने चीन की खिलौना निर्माता कंपनी पॉप मार्ट के साथ साझेदारी की। पॉप मार्ट एक अग्रणी वैश्विक खिलौना निर्माता कंपनी है और अपने संग्रहणीय खिलौनों के लिए जानी जाती है। इस साझेदारी के बाद कासिंग लुंग की 'द मॉन्स्टर्स' सीरीज की डॉल्स, खासतौर से लाबुबू लोगों के बीच कॉफी पॉपुलर होने लगी। लाबुबू की वी-1 और वी-2 सीरीज के अंतर्गत छह नियमित संस्करण और एक दुर्लभ 'गुप्त' संस्करण उपलब्ध है। वी-2 सीरीज में, गुप्त लाबुबू (डुओडुओ) अपनी आंखों में एक अनोखी चमक और प्यारी लाल नाक के साथ मिलती है। पॉप मार्ट ने लाबुबू को 'ब्लाइंड-बॉक्स' में बेचना शुरू किया। इस प्रारूप का अर्थ है कि डॉल खरीदने वाले को बॉक्स खोलने तक यह पता नहीं चलता कि उन्हें लाबुबू का कौन-सा संस्करण मिलेगा। इससे खरीदने वाले में सस्पेंस और एक्साइटमेंट बना रहता है, जिससे इस डॉल की बिक्री में काफी इजाफा हुआ।

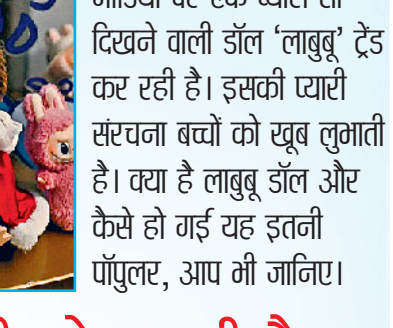
लाबुबू के संग पॉप मार्ट के सीईओ वांग निंग

कइयों का पसंदीदा लाबुबू पेंडेंट: लाबुबू की लोकप्रियता सिर्फ डॉल्स तक ही सीमित नहीं है। यह पेंडेंट के रूप में भी मिलता है, जिन्हें दुनिया भर में लोग बैग चार्म्स के रूप में इस्तेमाल करते हैं। अलग-अलग थीम वाले ये मनमोहक चार्म्स विभिन्न रंगों में उपलब्ध हैं, इनके सिर, भुजाएं और पैर अडजस्टेबल हैं, जो इन्हें बैग पर लगाने या घर पर सजाने के अनुकूल बनाते हैं।

सेलिब्रिटीज ने बढ़ाई लोकप्रियता: अप्रैल 2024 में, कोरियन बैंड ब्लैकपिंक की लिसा ने विशाल लाबुबू डॉल वाली एक इंस्टाग्राम स्टोरी पोस्ट की, जिसके बाद एक और स्टोरी आई जिसमें उन्होंने अपने बैग को लाबुबू चार्म से सजाया था। इसके बाद रिहाना और दुआ लीपा भी इस डॉल के साथ नजर आई थीं। इस प्रचार ने लाबुबू डॉल को पॉप प्रशंसकों और डिजाइनर खिलौना संग्राहकों के बीच पॉपुलर बना दिया। बॉलीवुड एक्ट्रेस अनन्या पांडे सहित कई इंडियन सेलिब्रिटीज भी लाबुबू को अलग-अलग ढंग से कैरी करते दिखे, जिससे इसकी डिमांड अपने देश में भी बढ़ गई।

सांस्कृतिक प्रतीक: लाबुबू खिलौना संग्राहकों और कला प्रेमियों के बीच एक सांस्कृतिक प्रतीक बन गया है, जो आनंद, शरारत और रचनात्मकता को एक साथ रिप्रजेंट करता है। इसीलिए लाबुबू अधिकांश लोगों को पसंद आता है। लाबुबू महज एक आकृति या डॉल नहीं है। यह एक भावना है, एक स्मृति है, जो प्राचीन नार्वेडियन संस्कृति से जुड़ी है। *

लाबुबू की मुख्य विशेषताएं

नुकीले कान: चुस्त और सतर्क लाबुबू के नुकीले कान इसे एक प्यारा लेकिन शरारती रूप देते हैं। लाबुबू के नुकीले कानों को देखकर बच्चों को खूब मजा आता है।

तीखे दांत: इसके छोटे नुकीले दांत पहली नजर में डरावने लग सकते हैं, लेकिन वे लाबुबू के आकर्षण को बढ़ाते हैं। ज्यादातर बच्चों को ये डरावने की बजाय प्यारे लगते हैं।

बड़ी-भावपूर्ण आंखें: अपनी बड़ी और भावपूर्ण आंखों के जरिए लाबुबू जिज्ञासा से लेकर शरारत तक की भावनाओं को व्यक्त करती है, जो इसके प्रशंसकों को लुभाता है।

कॉम्पैक्ट आकार: कुछ इंच लंबी, लाबुबू पॉकेट के आकार का टॉय फ्रेंड है, जिसे आप कहीं भी ले जा सकते हैं, किसी भी चीज में इसे जोड़ सकते हैं।

विविध डिजाइन: क्लासिक्स से लेकर थीम आधारित वेशभूषा तक हर मूड, अवसर के लिए बच्चे-बड़े सभी को यह पसंद आती है।

देश-विदेश के फेमस लोकेशंस पर तो फिल्मों की शूटिंग होती ही रहती है। लेकिन कुछ ऐसी बॉलीवुड फिल्में भी बनती रही हैं, जिनको ऑफबीट लोकेशंस या छोटे शहरों में शूट किया गया। ऑफबीट लोकेशंस पर शूट हुई फिल्मों पर एक नजर।

छोटे-छोटे लोकेशंस पर हुई कई बड़ी फिल्मों की शूटिंग

फिल्म ट्रेंड
सरस्वती रमेश

बॉलीवुड में महानगरों और खूबसूरत विदेशी लोकेशंस पर फिल्में शूट करने का ट्रेंड शुरुआत से ही रहा है। आज भी अधिकांश निर्माता फिल्म बजट के अनुसार देश-विदेश के फेमस लोकेशन पर फिल्म शूटिंग जरूर करना चाहते हैं। लेकिन कई ऐसे भी फिल्म मेकर्स हुए हैं, जिन्होंने देश के छोटे शहरों या कहें दूर-दराज के किसी लोकेशन को फिल्म शूट के लिए चुना। ऐसी फिल्में भी दर्शकों ने खूब पसंद कीं, जिससे ये छोटी जगहें भी देश-विदेश में खूब चर्चित हुईं।

चंदेरी: किसी ब्लॉकबस्टर मूवी के सीन में अपने छोटे से शहर या कस्बे का पुल, हवेली, गलियां, रेलवे स्टेशन या इमारत दिख जाए तो मन हुलास से भर उठता है। बिल्कुल यही हुलास चंदेरी के लोगों में मन में भी तब उठा, जब उन्होंने अपने कस्बे में खुले पहले सिनेमा हॉल में लगी पहली ही फिल्म 'स्त्री' देखी। मध्य प्रदेश में बेतवा नदी के किनारे बसा एक छोटा-सा कस्बा है चंदेरी। यह कस्बा पहाड़ों, जंगलों और तालों की खूबसूरती और शांत-सुरम्य वातावरण के लिए जाना जाता है। 'स्त्री' सीरीज की फिल्मों की

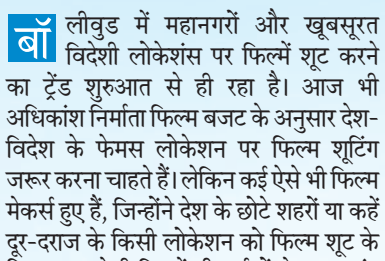
फिल्म 'स्त्री' से लाइमलाइट में आया चंदेरी

शूटिंग मुख्यतः चंदेरी में हुई। 'स्त्री' के अलावा यहां वरुण धवन और अनुष्का शर्मा स्टारर 'सुई धागा-मेड इन इंडिया' की भी शूटिंग हुई थी। चंदेरी अपनी साड़ियों के लिए भी मशहूर है। चंदेरी की भोली-भाली स्त्री के गेटअप के लिए अनुष्का शर्मा को चंदेरी की ही साड़ी पहनाई गई थी।

मांडवा और मंडावा: सुनने में दोनों एक जैसे नाम हैं लेकिन ये दोनों जगहें एक-दूसरे से काफी दूर हैं। मांडवा महाराष्ट्र के रायगढ़ का एक गांव है, जबकि मंडावा राजस्थान के झुंझुनू का एक कस्बा है। मांडवा को फिल्म प्रेमी अमिताभ बच्चन और ऋतिक रोशन अभिनीत 'अग्निपथ' फिल्म सीरीज के कारण ज्यादा जानते हैं। हालांकि ऋतिक की 'अग्निपथ' में दिखाए गए दृश्य असल में मांडवा के न होकर खूबसूरत दीउ द्वीप के हैं।

राजस्थान का मंडावा, आधुनिक जीवनशैली और विकास की चमक-दमक से दूर अपनी हवेलियों, किलों के लिए मशहूर है। पिछले एक दशक में यहां दर्जनों हिट फिल्में शूट हो चुकी हैं।

'बजरंगी भाईजान' में दिखा मंडावा

मंडावा की शानदार स्नेही राम लाडिया हवेली में 'पीके', 'बजरंगी भाईजान', 'लव आजकल', 'जब वी मेट', 'शुद्ध देसी रोमांस', 'कच्चे धागे', 'दिल्ली चलो' जैसी फिल्मों की शूटिंग हो चुकी है। 180 साल पुरानी इस हवेली की दीवारों पर चित्रकारी मुगल, पर्शियन और इंडियन आर्ट के समावेश से की गई है। यही कारण है कि कबीर खान जब 'बजरंगी भाईजान' में पाकिस्तान की गलियों का सीन दिखाना चाहते थे तो मंडावा में शूटिंग के लिए आए।

सेंट पॉल स्कूल: दार्जिलिंग के जलपहार में स्थित सेंट पॉल स्कूल वही स्कूल है, जहां शाहरुख खान की सुपरहिट फिल्म 'मैं हूं न' की शूटिंग हुई थी। समुद्र तल से 7800 फीट की ऊंचाई पर स्थित सेंट पॉल स्कूल को दुनिया में सबसे ऊंचाई पर स्थित स्कूल माना जाता है। स्कूल से दिखने वाली कंचनजंगा की पहाड़ियां और स्कूल बिल्डिंग का बेहतरीन आर्किटेक्चर फिल्म निर्माताओं को यहां खींच लाता है। यहां शूटिंग की परंपरा काफी पुरानी है। बी. आर. चोपड़ा की 'हमराज', राजकपूर की 'मेरा नाम जोकर', दुलाल गुहा की 'दो अनजाने', प्रियंका चोपड़ा, रणबीर कपूर स्टारर 'बर्फी' जैसी फिल्मों के अहम हिस्से यहां फिल्माए गए हैं।

महेश्वर घाट: नर्मदा की चंचल लहरों के किनारे स्थित इंदौर का खूबसूरत महेश्वर घाट कई सुपरहिट फिल्मों में अपनी उपस्थिति दर्ज करा

महेश्वर घाट में हुई 'पैडमैन' की शूटिंग

पटौदी पैलेस में फिल्माई गई 'एनिमल'

चुका है। फिल्म 'पैडमैन' के अनेक दृश्य इस घाट पर फिल्माए गए हैं। यही नहीं कंगना रनोट अभिनीत फिल्म 'मणिकर्णिका' के कई महत्वपूर्ण दृश्य भी यहां फिल्माए गए। 'दबंग-3' का टाइटल सांग, 'नीरजा' और 'बाजीराव मस्तानी' के भी कुछ दृश्य यहां शूट हुए।

पटौदी पैलेस: हालिया रिलीज फिल्म 'एनिमल' की शूटिंग गुरुग्राम स्थित पटौदी पैलेस में हुई थी। फिल्म में दिखाया गया रणबीर कपूर का घर असल में पटौदी पैलेस ही है। यश चोपड़ा की सुपरहिट फिल्म 'वीर-जारा' की शूटिंग भी

सेंट पॉल स्कूल में हुई 'मैं हूं न' की शूटिंग

पटौदी पैलेस में ही हुई थी। 'मंगल पांडेः द राइजिंग' का एक बड़ा हिस्सा शूट करने के लिए पटौदी हाउस को चुना गया था। इसके अलावा 'गांधी माय फादर', 'मेरे ब्रदर की दुल्हन', 'तांडव' जैसी कई फिल्में भी यहां फिल्माई गईं।

कुछ अन्य ऑफबीट फिल्मी लोकेशंस: 26/11 के आतंकी हमलों पर आधारित फिल्म 'फैंटम' को पंजाब के एक गांव मलेरकोटला में शूट किया गया है। कानपुर के बिठूर, काकादेव, शिवाला, माल रोड, मोतीझील, भैरव घाट में भी कई फिल्में शूट हो चुकी हैं। महाराष्ट्र के वाई गांव में चर्चित फिल्म 'स्वदेश' की शूटिंग हुई थी। 'दबंग' फिल्म में वाई गांव को उत्तर प्रदेश के लालगंज के रूप में दिखाया गया है, जबकि 'स्वदेश' फिल्म में यह उत्तर प्रदेश के चरणपुर के रूप में दिखाया गया था। *